वर्ष-3, अंक-35
इन्दौर, शुक्रवार
18 अप्रैल 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761
DAVP 133088/20/02/2020

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष-2026 तक देश होगा नक्सलवाद से मुक्त : श्री शाह

सीआरपीएफ ने आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों में निभाई अहम भूमिका, राष्ट्र की सुरक्षा के लिये सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन कर बलिदान दिया

भोपाल । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सर्दैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। देश का जब भी स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिह, क्षेत्र के लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि ÷जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं÷।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि आज सीआरपीएफ के 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए बलिदान दिया। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचालक हैं।स्थापना दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। परेड में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। श्री शाह ने कहा कि आज की परेड जवानों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिये सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में कोबरा, आरएएफ वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी विशेष इकाईयों द्वारा प्रभावशाली एवं आकर्षक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने सीआरपीएफ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदर्शनी का अवलोकन किया

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह की परेड के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सीआरपीएफ कैम्प नीमच के परिसर में ''राष्ट्र सेवा में समर्पित सीआरपीएफ के विभिन्न आयाम चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सीआरपीएफ की स्थापना से अब तक फोर्स द्वारा अर्जित उपलब्धियों एवं विभिन्न गतिविधियों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। उल्लेखनीय है कि 86वीं सीआरपीएफ दिवस परेड इस वर्ष 17 अप्रैल को विस्तारित समारोहों के अन्तर्गत आयोजित की गई। सामान्यतः सीआरपीएफ दिवस प्रतिवर्ष 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने सीआरपीएफ को ध्वज प्रदान किया था। इस वर्ष नीमच में आयोजन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यहीं 27 जुलाई 1939 को ब्रिटिश शासन के दौरान क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस की स्थापना हुई थी। स्वतंत्रता के बाद, 28 दिसंबर 1949 को सरदार पटेल ने इसे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) नाम दिया।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने की सजा काट रहा हूं: रॉबर्ट वाड्रा

गुरुग्राम,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा गुरुग्राम में 2008 के जमीन का सौदा किया था। इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच का सामना उन्हे करना पड़ रहा है। ईडी द्वारा की जा रही पूछताछ को वाड्रा ने साजिश करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और यह कदम कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह सब तब शुरू हुआ जब उन्होंने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आवाज उठाई और राजनीति में प्रवेश की इच्छा जताई। वाड्रा ने दावा किया कि उनसे वही पुराने सवाल पूछे जा रहे हैं, जिनका जवाब वे पहले ही 2019 में दे चुके हैं। उन्होंने कहा, यह वही पुराने सवाल हैं जिनके जवाब मैंने 2019 में दिए थे। इनका कोई आधार नहीं है। कोई गलत काम नहीं किया गया है। इस केस में खुद बीजेपी के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दो बार मुझे क्लीन चिट दी है, फिर अब समन क्यों? उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर लगे आरोपों को भी राजनीति से प्रेरित बताया। प्रियंका गांधी के पति ने आगे कहा, नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट और मुझे समन एक ही दिन में भेजा गया यह बीजेपी का राजनीतिक कैंपेन है और ईडी का दुरुपयोग है।

सोना 1 लाख के करीब, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने ने एक और रिकॉर्ड बना लिया। 10 ग्राम सोना 1,650 रुपए की बड़ी छलांग लगाकर 98,100 रुपए तक पहुंच गया, यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वैश्विक व्यापार तनाव, खासकर अमेरिका और चीन के बीच, निवेशकों को सुरक्षित विकल्प की ओर मोड़ रहा है और सोना फिर से सबसे पसंदीदा ठिकाना बन गया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए, अक्षय तृतीया या इसी महीने के अंत तक सोना 1,00,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर को छू सकता है। वो इसे शादी और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक शानदार अवसर मानते हैं।

मौसम ने बरसाया 35 मिनट कहर

ओले, बाढ़ और आंधी ने उजाड़ा इस्लामाबाद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को अचानक आई भयानक ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई। 35 मिनट की आंधी और ओले ने इस्लामाबाद को तहस-नहस कर दिया। गाड़ियों के शीशे चकनाचूर, सोलर पैनल बर्बाद, पेड़ उखड़ गए और कई इलाकों में बाढ़ ने कोहराम मचा दिया। अचानक हुई बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई, जिससे सड़कें और घर डूब गए। तारनोल इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा जहां उखड़े पेड़ों ने रास्ते बंद कर दिए। इस बारिश ने गर्मी से राहत दी, लेकिन कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफिस ने कहा, हमारी टीमें सड़कों पर हैं, पानी निकासी का काम जारी है। नुकसान का आकलन हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर यातायात बहाल किया जा रहा है। अप्रैल में जहां दक्षिणी पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान में तापमान 45 डिग्री तक

पहुंच गया, वहीं इस्लामाबाद में यह बारिश कुछ राहत लेकर आई। लेकिन यह राहत महंगी साबित हुई। पाकिस्तान मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज से 20 अप्रैल तक इस्लामाबाद, रावलपिंडी और अन्य उत्तरी खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, मरी और आसपास के पहाड़ी इलाकों में आग का खतरा बढ़ेगा। मई-जून में अरब सागर में चक्रवात बन सकते हैं, जो तटीय इलाकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

डकैती के मामले में अदालत में गवाही देंगी किम कार्देशियां

लास एंजिल्स। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रियलिटी टीवी स्टार किम कार्देशियां 2016 में अपने फ्लैट में हुई एक सशस्त्र डकैती के मामले में गवाही देने के लिए तैयार हो गयी हैं। टीवी स्टार कार्देशियां के अनुसार कई नकाबपोश हमलावर उनके फ्लैट में घुस आये थे तथा बंदूक की नोक पर उनके हाथपांव बांध कर उन्हें बाथरूम में बंद कर दिया और लाखों के गहने लेकर चंपत हो गये थे। जिनमें उनके तत्कालीन पति कान्ये वेस्ट द्वारा उनकी सगाई पर भेंट की गई एक बेशकीमती हीरे की अंगूठी भी शामिल थी।

तेलंगाना ने लू को आपदा घोषित किया

मृतकों के परिवार को 4 लाख मिलेंगे; जैसलमेर में पारा 46°, राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इनमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट है।

इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46° सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान रहा। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी का असर बढ़ गया है। बुधवार को प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। आज भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है। उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में कम से कम 15 दिनों तक लू की आशंका है। इसे देखते हुए सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। सरकार ने लू लगने से मरने वालों के परिजन को 4 लाख रुपए की सहायता का भी ऐलान किया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला संभवतः देश का पहला राज्य है। गर्मी के बीच, मौसम विभाग ने UP, बिहार समेत देश के 24 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अनुमान जताया है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, छत्तीसगढ़ में ओले और बिहार, पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

ताइवान ने 24 घंटे में चीनी सेना के 34 विमान, छह जहाजों का लगाया पता

बीजिंग (एजेंसी)। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में चीनी पीएलए लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 34 विमान और छह जहाजों का पता लगाया है। जिसमें से 22 विमानों ने ताइवान की सीमा में प्रवेश किया था। मंत्रालय ने कहा, आज सुबह छह बजे (बुधवार को 22: 00 जीएमटी) तक ताइवान के आसपास 34 पीएलए विमान, छह पीएलएएन जहाज और 2 आधिकारिक जहाजों का पता लगाया गया।◦ मंत्रालय ने उल्लेख किया कि इनमें से 22 विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया।

चीन पर लगा 245% टैरिफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। टैरिफ वॉर को तेज करते हुए अमेरिका ने चीन पर अब 100% टैरिफ और लगा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान पर अब कुल 245% टैरिफ लगेगा। इससे इससे पहले चीन ने अमेरिकी सामान पर 125% टैरिफ लगाया था और डील के बावजूद वोइंग विमानों को लेने से इनकार कर दिया था।

इससे खफा होकर अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाया है। बढ़े टैरिफ पर चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से नहीं डरते। इस बीच,

चीन ने ली चेंगगांग के रूप में नए अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि की तैनाती की है।

कदम ट्रंप के उस बयान के बाद उठाया गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि टैरिफ गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा और आम लोगों को सामान की कीमतों में उछाल झेलना पड़ेगा। बीबीसी से बात करते हुए पॉवेल ने कहा कि आयात कर (टैरिफ) फेडरल रिजर्व के अनुमान से कहीं ज्यादा हैं, जो अर्थव्यवस्था को और गहरे संकट में धकेल सकते हैं।

पत्नी ने हत्या की, फिर 10 बार सांप से डसवाया

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ हत्याकांड जैसी वारदात फिर हुई है। यहां पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर सोते वक्त पति का गला घोंटा, फिर शव के नीचे सांप को दबा दिया। सांप ने युवक को 10 बार डसा। वारदात के बाद बॉयफ्रेंड को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। सुबह जब घरवाले उठे तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी। उसके हाथ के नीचे एक जिंदा सांप दबा हुआ था। शरीर पर सांप के डसने के निशान देखकर परिजन को लगा कि युवक की मौत सांप के डसने से हुई है। बुधवार देर शाम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई, जिसमें पता चला कि युवक की मौत दम घुटने से हुई है। इसके बाद शक के आधार पर पुलिस ने पहले पत्नी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बॉयफ्रेंड का नाम बताया। फिर पुलिस ने दोनों से सख्ती से पूछताछ की तो जुर्म कबूल कर लिया।

लोकतंत्र को बेचोगे तो अगले जन्म में भेड़-बकरी बनोगे

पूर्व मंत्री उषा ठाकुर ने दिया विवादास्पद बयान

महू (नगर संवाददाता)। बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाली पूर्व मंत्री और महू की विधायक उषा ठाकुर ने एक बार फिर बिगड़े बोल बोलकर जनता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोकतंत्र को बेचने की कोशिश करोगे तो अगले जन्म में भेड़-बकरी बनोगे।

महू विधानसभा के हासलपुर में रखे गए कायक्रम में वहां की विधायक उषा ठाकुर पहुंची थी। मंच पर कई उम्रदराज लोग बैठे थे। उन्होंने 500 रुपए के साथ मांस में वोट बेचने वालों पर भी सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि मनुष्यों के लिए डूब मरने की बात है। दादा मेरे पास बैठे है, वह कभी-कभी डांटते भी है।

लोकतंत्र में जब हम वोट डालने जाते है तो कोई देखता है क्या, वहां तो भगवान और हमें ही पता होता है कि वोट किसे दिया है। किसी ने कुछ ले-दे भी लिया तो ले लो भाई लेकिन वोट डालते समय अपना ईमान मत गंवाना। वोट तो भाजपा को ही देना, जो राजधर्म और संस्कृति की सेवा करती है। फिर मैं कहती हूं जिसने बेईमानी की है। लोगों से पैसे लेकर, साड़ी लेकर और गिलास लेकर वो तटस्थ हुए वो अपनी डायरी में नोट कर लेना, अगले जन्म में ऊंट, भेड़, बकरी, कुत्ते बनेंगे, जो लोकतंत्र बेचेगा वो यही बनेगा। भगवान से मेरी सीधी बातचीत है, ये विश्वास करना मेरा। उषा ठाकुर का यह वीडियो सोशल मीडिया पर बोल पड़ा है और कई तरह के विरोधी बयान भी सामने आने लगे है। पहले भी वो अपने विवादास्पद बयानों के कारण सुर्खियों में रही है। इस बार तो उन्होंने जनता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। उषा ठाकुर महू से दूसरी बार चुनाव जीती है और चार बार की विधायक होने के साथ मंत्री भी रह चुकी है।

तालाब मरम्मत के भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंची थीं विधायक

महू विधायक उषा ठाकुर बुधवार को हासलपुर में पांचीपाला तालाब की मरम्मत कार्य का भूमिपूजन करने पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि हम अपने बच्चों का ध्यान रखते हैं, उसी तरह हम पानी का भी ध्यानरखें। उसे बर्बाद ना करे। टोटी खुली पड़ी रहती है और पानी सड़कों परबहता है। यह गलत है। हम जिसतरह बच्चों का ध्यान रखते हैं, उसी तरह पानी का ध्यान भी रखें। उन्होंने यहा 1 करोड़ 2× लाख की लागत से तालाब की पाल निर्माण का भूमिपूजन किया। पं. कमल व्यास ने पूजन कर भूमिपूजन करवाया।

संपादकीय

मोदी राज में एनडीए के भीतर पहली बार बगावती स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की छवि इस बार पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। पहले दो कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में थी। इस बार उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह गठबंधन के राजनीति की मजबूरी है। पिछले 11 साल में पहली बार मोदी-शाह की जोड़ी को सहयोगी दलों के बगावती तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार और गुजरात में इसकी शुरुआत हो चुकी है। बिहार में पारस पासवान और मांझी ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं उनके भतीजे चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं वक्फ बिल और दलित को लेकर जो नई राजनीतिक स्थिति जमीन पर देखने को मिल रही है। उसके बाद चाचा पारस ने एनडीए से पाला झाड़कर, इंडिया गठबंधन का पल्ला पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी सेंध लगा दी है। भाजपा के पूर्व ?विधायक एवं महामंत्री महेश वसावा ने कांग्रेस का पल्ला गुजरात में थाम लिया है। राहुल गांधी बुधवार को गुजरात गए। वहां पर उन्होंने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देशम पार्टी हो या नीतीश कुमार की जनता दल (यू), दोनों ही पार्टियाँ अब गठबंधन में अपने वजूद और हिस्सेदारी को लेकर जरूरत से ज्यादा मुखर हैं। मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व, राज्यों की विशेष मांगें और नीति-निर्माण में अहमियत देने की माँग अब केवल दबे स्वर मे नहीं, बल्कि सार्वजनिक मंचों से एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल उठाने लगे हैं। यह स्थिति दर्शाती है, भाजपा का पहले जैसा एकछत्र राज नहीं रहा। ?बिहार के मुख्यमंत्री नी?तिश कुमार की पार्टी जनता दल यू में भाजपा ने ?जिस तरह से सेंध लगाई है उससे ?बिहार में जनता दल का अ?स्तित्व समाप्त होने जा रहा है। उड़ीसा वाला खेल भाजपा द्वारा ?बिहार में खेला जा रहा है। इसकी जबरदस्त प्र?ति?क्रिया सहयोगी दलों में देखने को ?मिल रही है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में डर एवं भय देखने को ?मिल रहा है। सहयोगी दल अब सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी के दावेदारी कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन के भीतर असहमति के सुर खुलकर सामने आने लगे हैं। सहयोगी दलों में अब मोदी-शाह और ईडी, सीबीआई का भी डर नहीं रहा। सहयोगी दल अधिकारों की बात कर रहे हैं। सहयोगी दल अब 'वन नेशन, वन पॉलिसी' जैसी नीतियों पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं। वक्फ बिल को लेकर भी देश के कई राज्यों में स्थितियां बड़ी तेजी के साथ बदली हैं जिसके कारण छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होता हुआ दिख रहा है। इस घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया के लिए यह दबाव जरूरी है। भाजपा और केंद्र सरकार में अभी जो एकाधिकार है। सहयोगी दल उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। एनडीए में शामिल सभी सहयोगी दल अपनी बात खुलकर सामने रख रहे हैं। अगर इनकी अनदेखी की गई, तो यह बगावत का कारण बन सकता है।

जुबान और उसकी कीमत

पहले जुबान की बहुत कीमत होती थी। उन दिनों लोग कागज पर अपनी बात लिखकर नहीं देते थे। अकेले में कही बात भी जुबान मानी जाती थी। तब जुबानी याद करने के दिन थे। जब जुबान होती थी। वेद - उपनिषद् , लोकोक्ति - मुहावरे - पहाड़ों को लोग मुँह जुबानी याद कर के रखते थें। ये एक पीढी- से दूसरी- पीढ़ी तक चला जाता था। लोग चीजों को याद रखते थे। ये सब अब गुजरे जमाने की बातें हैं। अभी समय ये है कि सुबह लिया। और शाम को पूछो तो ये जबाब मिलता है। कि कब तुमसे लिया था। लोग आज अगर आप से पाँच सौ से हजार माँग कर ले जाते हैं। और आप दो दिन में अपना पैसा माँगने लगते हैं। तो लोग आपसे अपने संबंध विच्छेद कर लेते हैं। दस बीस हजार अगर ले लिया तो आपका फोन उठाना बँद कर देते हैं। ज्यादा तँग कीजियेगा तो सामने वाला आपको ब्लॉक लिस्ट में डाल देता है। यानी लोग उन दिनों आज की तरह जुबानफरोश नहीं होते थे। लोग लेते समय चीजों को याद रखते थे। कि अमुक आदमी से मैनें ये चीज उधार ली है। अमुक चीज को अमुक दिन लौटाना है। जिस दिन लिया उस दिन से लौटाने के दिन तक लोग उस बात को याद रखते थे। कि अमुक ने अमुक चीज हमें अमुक समय के लिए उधार दी थी। ये याद रखना बड़ी बात होती है। उस समय कागज का आविष्कार नहीं हुआ था। लोग चीजों को बोलकर याद रखते थे। जाहिर है ये बोलना या दुहराया जाना जुबान से किया जाता था। लिहाजा चीजें लँबे समय तक याद रहतीं थीं । तो वो जुबान का समय था। दिलचस्प बात ये थी। कि उन दिनों कागज का आविष्कार नहीं हुआ था। उस समय ताले भी नहीं होते थे। और लोग जुबानफरोश भी नहीं हुआ करते थे!जरूरत ही नहीं पड़ती थी। लोग जुबानी जो थे। जो कह दिया सो कह दिया। जो बोल दिया वो पत्थर की लकीर। सूर्य पश्चिम से निकल सकता है। लेकिन जुबान देने वाला अपनी जुबान से नहीं फिर सकता। जुबान से फिरा हुआ आदमी असल बाप की औलाद नहीं हो सकता था। लोग शिवशंकर कहलाना पसंद करते थे। संकर कहलाना नहीं। लेन -देन मुँह जबानी हुआ करता था। कागज लोगों की सुविधा के लिए आया था। लेकिन लोग इस्तेमाल से बचते थे। कौन लिखा पढ़ी करे। बेकार का टँटा। जो पुराने लोग थे।वो ज्यादा जुबानी थे। जैसे -जैसे आदमी पढ़ता लिखता गया। शिक्षित होता गया। उतना ही बेईमान होता गया ! शिक्षा ने आदमी को बेईमान बना दिया। फिर क्या फायदा उसके इतना पढ़ा लिखा होने का ! जब उसके जुबान की कोई कीमत ही नहीं हो। जो पढ़-लिखकर छल - प्रपंच करना सीख जाये। लिहाजा जुबान की कीमत खत्म होने लगी। लोग अब तहरीर कापियों में लिखकर रखने लगे। नीचे उसके लेनदार का अँगूठा लगाया जाता था। या हस्ताक्षर ले लिया जाता था। ताकि पढ़ा-लिखा आदमी अपनी जुबान से मुकर ना जाए। कागज पर लिखकर रखने की जरूरत तब पड़ी। ताकि लेनदार से वापसी के समय उस कागज को दिखाया जाये। और बकाये की वसूली की जाये। ये और बात है कि लोगों के लिखना और पढ़ना सीखने के बाद ही जुबाने खाली होने लगीं। लोग जुबान फरोश होने लगे। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ। कि आदमी में पहले जुबान फरोशी आयी। फिर लोग झूठ बोलने लगे। झूठ बोलने के बाद भी जब लोगों का काम नहीं चलने लगा। तब लोग चोरी -चकारी करने लगे। और आजकल जब अपने दिये पैसे माँगने जाओ। तो लोग कहते हैं, ज्यादा जुबान मत चलाओ। दे दूँगा तुम्हारे पैसे। बहुत बोलते हो तुम। खा नहीं जायेंगें तुम्हारे पैसे।

महेश कुमार केशरी
ष्ट/ह्र -मेघदूत मार्केट फुसरो
बोकारो झारखंड

42 साल बाद आया इंसाफ

23 अप्रैल 1983 ,एक तारीख, जो भारत के न्यायिक इतिहास में हमेशा के लिए एक शर्मनाक धब्बा बन गई। एक ऐसा अपराध जिसने मानवता को झकझोर कर रख दिया, महिलाओं से बलात्कार, फिर उनकी बेरहमी से हत्या। पाँच दोषी पकड़े गए, जिन्हें आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई। लेकिन केवल 10 दिन बाद, यानी 2 मई 1983 को, उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। और फिर, जैसे पूरा मामला समय के धूल-धक्कड़ में खो गया! जब इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया, तब तक चार दोषी अपनी जिंदगी पूरी करके इस दुनिया से जा चुके थे। कोर्ट ने खुद फैसले में देरी के लिए खेद जताया, पर क्या यह खेद उन मृतकों को जीवन दे सकता है, जिन्हें न्याय नहीं मिला?

क्या यह खेद पीड़ितों के परिजनों के आंसू पोछ सकता है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल - क्या यह खेद हमारी न्याय प्रणाली की गंभीर खामियों को ढँक सकता है? भारतीय संविधान न्याय का वादा करता है - समय पर और निष्पक्ष न्याय। लेकिन जब एक बलात्कार-हत्या जैसे जघन्य अपराध का फैसला आने में 42 साल लग जाए, तो इसे क्या कहेंगे? यह सिर्फ न्याय में देरी नहीं, बल्कि न्याय की हत्या है।

इस फैसले के समय एकमात्र जीवित आरोपी 74 वर्ष का बुजुर्ग है, जिसे अब आत्मसमर्पण करके जेल जाना होगा। यह आदमी अब तक अपना लगभग पूरा जीवन आज़ाद घूमकर जी चुका है। अगर यही न्याय है, तो अन्याय किसे कहेंगे?एक सवाल जो सबसे पहले दिमाग में आता है इस फैसले से पीड़ितों को क्या मिला?

1983 में जिन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ और जिनकी नृशंस हत्या कर दी गई, उनकी आत्मा 42 साल से इंसाफ का इंतज़ार कर रही थी। उनके परिवार , जो शायद अब बिखर चुके होंगे या दुनिया में ही न हों , क्या उनके आँसुओं की कोई कीमत है? इस फैसले के बाद भी न कोई माफ़ी, न कोई मुआवज़ा, न कोई स्पष्टता। अदालत ने खेद जरूर जताया, पर खेद न्याय का विकल्प नहीं हो सकता। 10 दिनों में पांच दोषियों को जमानत मिल जाना और फिर दशकों तक केस की सुनवाई न होना, यह दिखाता है कि सिस्टम ने अपराधियों को कितना आरामदायक रास्ता दिया। यह भी एक सोचनीय विषय है कि इस केस में प्राथमिक स्तर पर कितनी लापरवाही बरती गई, जिससे अभियोजन और सज़ा दोनों ही मज़ाक बनकर रह गए।

> इस फैसले के समय एकमात्र जीवित आरोपी 74 वर्ष का बुजुर्ग है, जिसे अब आत्मसमर्पण करके जेल जाना होगा। यह आदमी अब तक अपना लगभग पूरा जीवन आजाद घूमकर जी चुका है। अगर यही न्याय है, तो अन्याय किसे कहेंगे?एक सवाल जो सबसे पहले दिमाग में आता है इस फैसले से पीड़ितों को क्या मिला?

सुभाष बुड़ावन वाला,रतलाम, मप्र

कहानी

जाको राखे साइयां

वह पलायन कर देना चाहता था । प्रयाण के सब उपाय सोच रखे थे । आस्तिक था वह , घोर आस्तिक ...पर आज वह मोह भी टूट चुका था । समाप्त कर देना चाहता था जीवन को जिसने निराशा के अतिरिक्त उसे कुछ न दिया था । बहुत दूर निकल आया था शहर से इस उधेड़बुन में कि या तो पटरियों पर लेट जाएगा या नदी में छलांग लगा देगा या पर्वत से कूद जाएगा ।

रात्रि अंतिम चरण के अवसान पर । सुबह होने से पहले निर्णय को अंजाम देना था । मार्ग अस्पष्ट । आगे शायद घना जंगल था । डरावनी निस्तब्धता । सड़क पर किसी के देखने का डर । उसने जंगल का मार्ग चुना ।अचानक अंधेरे में पेड़ से टकराया और वह गिर पड़ा । माथा फटा ।सिसकारी निकल गई । कुछ क्षण तने से सिर टिकाए वह निश्चेष्ट सा बैठा रह गया । । हारा मन थका बदन... आँख मुँदी जा रही थी । अंधेरे में हल्की रोशनी दिखी । कोई था पेड़ के पीछे ध्यान मग्न । पास जाकर देखते ही

वह कांप गया । चेहरा था या प्रकाश पुंज ? अलौकिक तेज़ ...अग्नि कुंड सदृश ज्वाजल्यमान । वह स्तब्ध विचार शून्य सा ताकता रहा । उस ऊष्मा से उसके सब ताप घुलकर आँसुओं में बह रहे थे । अनायास उसकी दृष्टि ऊपर पेड़ पर गई । धुंधली रोशनी में दिखा...एक गिलहरी पके हुए बेर को हाथों के पंजों में दबोच कर मज़े से कुतर रही थी और निचली डाल पर काली बिल्ली घात लगाए बैठी हुई थी । अविलंब उसने एक कंकड़ी उठायी और बिल्ली की ओर दे फेंकी । अप्रत्याशित वार ।

बिल्ली धड़ाम से नीचे गिरी और गिलहरी चंपत । प्रकाश पुंज ने स्निग्ध दृष्टि से उधर देखा । उठे और चल दिए । रुकिए ज्कौन है आपज्? उसका अंतर्मन चीख उठा । वह हड़बड़ा कर लपका उनकी ओर । उनके क़दम ठिठक गए । बिना मुड़े उन्होनें कहा, योगी हूँ । मुझे अपना शिष्य बना लो । आपके साथ रहूँगा ,साधना सीखूँगा । गुरु दक्षिणा में क्या दोगे? उनकी वाणी सम्मोहित कर रही थी और वह बंधा जा रहा था ।

उसके होंठ चिपक गए थे । जो माँगे वही । यह जीवन आपको समर्पित । सूरज क्षितिज पर अपनी रक्तिम आभा बिखेर रहा था । । चारों और गुलाबी रश्मियाँ फैल गई थी । उसने सब ओर नजर दौड़ाई । वहाँ कोई न था । लेकिन ..उसका अन्तर्मन अब रसमय हो चुका था । मार्ग स्पष्ट दिखाई दे रहा था ।

डॉ पदमावती चेन्नई

वो माँ जो कहानी बन गई

गाँव के सुदूर छोर पर एक कच्ची झोंपड़ी थी। दीवारों पर गोबर से लीपा हुआ प्रेम था, और छत की बांस की बल्लियों पर टंगी थीं कुछ अधूरी साँसें। उसी झोंपड़ी में हर रात एक माँ जलती थी—कभी चूल्हे की आग में, कभी आँखों की नमी में, और अक्सर अपने सपनों की राख में। उस झोंपड़ी में न कैलेंडर टँगे थे, न घड़ी की टिक-टिक सुनाई देती थी। वहाँ समय लालटेन की धीमी लौ में पिघलता था, और एक माँ की धड़कनों में चुपचाप बहता था। सरला... बस एक नाम नहीं था, वो एक हस्तलिखित ग्रंथ थी—बिना किसी अक्षर के। ति गया तो दुनिया की दृष्टि बदल गई। विधवा होना जैसे कोई सामाजिक कलंक हो गया। अब कौन सहारा देगा? इस उम्र में खेत और किताब दोनों? लोगों के सवाल नुकीले पत्थरों जैसे थे, और सरला का मौन एक झरने की तरह—सब सहता, सब बहाता। वो दिनभर खेतों में मजदूरी करती, और रात को थके हाथों में बच्चों का सिर लेकर बैठती। अमन और कविता को कहानियाँ सुनाती—पर वे राजा-रानी की परीकथाएँ नहीं थीं। वो कहानियाँ थीं—उस चूल्हे की, जिसमें खिचड़ी से ज़्यादा उम्मीदें पकती थीं, उस लड़की की, जिसने अपनी पढ़ाई खेत की पगडंडियों से सीखी, और उस माँ की, जिसने जीवन को नसीब से नहीं, जिद से जिया। कविता अक्सर पूछती, अम्मा, तू रोती क्यों नहीं? सरला मुस्कराती—वो मुस्कान जिसमें आँसू सूखकर मोती बन

चुके थे—बेटा, मेरी हर बूँद कहानी बन जाती है। आँसू मैं बर्बाद नहीं करतीज दिन में हाथों में फावड़ा होता, रात को किताब। कभी रोटी साथ होती, तो कभी सिर पर चिंता का घड़ा, पर चेहरे पर हमेशा वही ठंडी शांति की लहर। अमन को विज्ञान में रुचि थी। वह खेतों की मेड़ों पर लेटकर तारों को गिनता, और लालटेन की रोशनी में तारों की दुनिया में खो जाता। जिनकी हर चुप्पी में एक कहानी थी। और जिनकी हर बात में—एक लालटेन की आँच थी, जो कभी बुझी नहीं। अब जब वे दोनों छुट्टियों में घर लौटते हैं, माँ ज़्यादा कुछ नहीं कहतीं। बस खाट पर बैठकर ऊन सुलझाती हैं—शायद बीते वर्षों की गुत्थियाँ। पर उनकी चुप्पी में भी वही गरमाई है, वही भाषा, वही कहानियाँज लालटेन अब भी टिमटिमाती है, लेकिन अब वह लौ सिर्फ बच्चों को नहीं, पूरे समय को प्रकाशित करती है। एक दिन कविता ने माँ का हाथ थामा और कहा— अम्मा, अब तू कहानियाँ मत सुना। अब मैं तेरी कहानी दुनिया को सुनाऊँगीज सरला मुस्कराईज उसकी झुर्रियों में जैसे पूरा ब्रह्मांड मुस्कराया। उसके चुप होठों से जैसे सैकड़ों कविताएँ टपक पड़ींज वो माँ अब कहानी नहीं सुनाती, क्योंकि वो खुद एक अमर कहानी बन चुकी है।

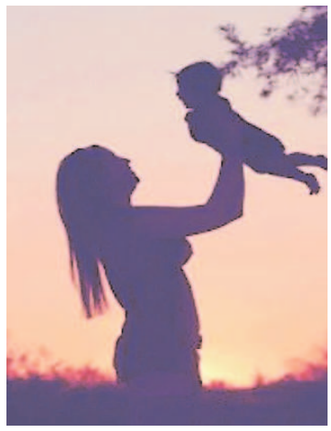

डॉ. सिद्धार्थ कुमार जौहरी,
प्राचार्य, इन्दौर मप्र

व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....

सोना पहली बार 95 हजार पार, बना नया रिकॉर्ड

चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में सोने की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। 16 अप्रैल को सोने ने नया इतिहास रच दिया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 628 रूपये बढ़कर 95,207 रूपये हो गई है। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले यह 94,579 रूपये थी। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है और यह 936 रूपये गिरकर 95,639 रूपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

सोने की तेजी के तीन बड़े कारण

अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर

वैश्विक व्यापार तनाव से मंदी की आशंका बढ़ी है, जिससे निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मानकर इसमें निवेश कर रहे हैं।

रुपए की कमजोरी

डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 4त्न कमजोर हुआ है, जिससे सोने का आयात महंगा हो गया है और कीमतें बढ़ गई हैं।

शादी का सीजन

आगामी विवाह समारोहों के चलते सोने की गहनों की मांग बढ़ी है। ऊंची कीमतों के बावजूद लोग इसे समृद्धि और निवेश के रूप में खरीद रहे हैं।

सोने-चांदी की बढ़त

सोना

1 जनवरी 2025 को 24 कैरेट सोना 76,162 रूपये प्रति 10 ग्राम था, जो अब 95,207 रूपये हो गया है। यानी अब तक 19,045 रूपये की बढ़त हुई है।

चांदी

इस साल चांदी 86,017 रूपये प्रति किलो से बढ़कर 95,639 रूपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। यानी 9,622 रूपये की तेजी। हालांकि, 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई भी बनाया था।

साल के अंत तक 1.10 लाख रूपये तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स जैसी अंतरराष्ट्रीय निवेश बैंक का अनुमान है कि ट्रेड वॉर और मंदी की आशंका के बीच सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। ऐसे में भारत में इसकी कीमत 10 ग्राम के लिए 1.10 लाख रूपये तक पहुंच सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 1508 अंक ऊपर आया

निफ्टी में भी 414 अंकों की बढ़त

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई पर दूसरे सत्र में इसमें तेजी आने लगी जो अंत तक बनी रही। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1508.91 अंक करीब 1.96 फीसदी बढ़कर 78,553.20 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का का निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,851.65 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार इसमें तेजी का कारण पिछले दो कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त खरीदी भी रही है। पिछले दो दिनों में ही उन्होंने 10,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। जिससे भी बाजार को बल मिला। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रभाव एशियाई बाजारों और भारत पर भी देखने में आया। तकनीकी शेयरों में बिकवाली से अमेरिका में एनविडिया के शेयरों में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने व्यापार टैरिफ को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.73 फीसदी नीचे आकर 39,669.39 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 2.24 फीसदी की गिरावट आई और यह 5,275.70 पर बंद हुआ। टेक-हेवी नैस्डैक कंपोजिट 3.07फीसदी नीचे आकर 16,307.16 पर पहुंच गया। सुबह फ्यूचर्स शेयरों में हल्की तेजी रही। डाउ जोन्स फ्यूचर्स में 0.40 फीसदी, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.47फीसदी और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.56फीसदी की तेजी रही। एशियाई बाजारों की बात करें तो इसमें मिला-जुला कारोबार हुआहै। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.45फीसदी बढ़ा।

भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है और इससे भारतीय व्यापारिक मामलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का जीरोइंग पद्धति गलत है और भारत के साथ उचित व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संरक्षण देने की जरूरत है ताकि वह अमेरिका में इक्वाडोर और वियतनाम से आने वाली प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके।

विश्व हास्य - योग महासंघ की बैठक में संस्थापक अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गुप्ता पूर्व अध्यक्ष एवं एडवाइजर डॉक्टर डीके तनेजा एवं पूर्व अध्यक्ष तथा मोटीवेटर बलराज सब लोक का स्वागत।

सेज विश्वविद्यालय में इंडियन जियोटेक्निकल सोसाइटी के छात्र अध्याय का शुभारंभ

इंदौर। सेज विश्वविद्यालय, इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में इंडियन जियोटेक्निकल सोसाइटी के छात्र अध्याय का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह अवसर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जिससे छात्रों को जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीनतम शोध, तकनीकों और उद्योग से जुड़ने का एक सशक्त मंच प्राप्त हुआ है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन जियोटेक्निकल सोसाइटी इंदौर लोकल चैप्टर की चेयरपर्सन डॉ. नीलिमा सत्यम एवं वरिष्ठ सदस्य और क्षेत्र के प्रतिष्ठित इंजीनियर उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को जियोटेक्निकल क्षेत्र में करियर की संभावनाओं, शोध के अवसरों तथा IGS से जुड़ने के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

छात्रों ने किया जल शोधन संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण

इंदौर। सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने हाल ही में नगर निगम द्वारा संचालित जल शोधन संयंत्र जलूद का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अध्ययन यात्रा का उद्देश्य छात्रों को जल शोधन की प्रक्रिया, उसकी तकनीक और व्यावहारिक कार्य प्रणाली से परिचित कराना था।

इस भ्रमण के दौरान छात्रों को जल शोधन के विभिन्न चरणों जैसे कि जल संग्रहण, तलछट हटाना, फिल्ट्रेशन, क्लोरीनेशन और वितरण प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। संयंत्र के तकनीकी अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार नर्मदा नदी के पानी को साफ करके पेयजल के रूप में परिवर्तित किया जाता है।

संस्था के चांसलर इंजीनियर संजीव अग्रवाल ने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान से परे जाकर वास्तविक जीवन में कार्यान्वित तकनीकों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

नेहा रुहेला ने रचा इतिहास, इंदौर अभिभाषक संघ चुनाव में रिकॉर्ड तोड़ जीत

इंदौर। इंदौर अभिभाषक संघ के चुनावों में इस बार का परिणाम ऐतिहासिक रहा। नेहा रुहेला ने कार्यकारिणी सदस्य पद पर 1492 मतों के साथ जीत दर्ज कर 126 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। नेहा की यह जीत न केवल सबसे अधिक वोट पाने वाली अभ्यर्थी के रूप में दर्ज हुई, बल्कि महिला नेतृत्व की एक नई मिसाल भी बनी।

जीत के बाद प्रतिक्रिया देते हुए नेहा रुहेला ने कहा-यह मेरी नहीं, मेरे सभी साथियों और अधिवक्ताओं की जीत है। यह जीत हम सबकी एकजुटता और मेहनत का परिणाम है।

इंदौर अभिभाषक संघ की नई कार्यकारिणी इस प्रकार है- अध्यक्ष- लखन लाल यादव, उपाध्यक्ष- जितेंद्र नीम, सचिव- कपिल बिरथरे, सहसचिव- विजय व्यास, कोषाध्यक्ष- पुरुषोत्तम सोमानी।

कार्यकारिणी सदस्य पद पर विजयी उम्मीदवार-1. नेहा रुहेला - 1492, 2. जितेंद्र यादव -1211, 3. महेश सोनगरा - 1172, 4. दीपाली बैरी - 1121, 5. नेहा रावत- 1040, 6. उमंग मीठा - 981

इंसानी भावों की अभिव्यक्ति बरकरार रखेगी वॉयस एक्टर्स की उपयोगिता

वॉयस एज ए करियर वर्कशॉप का शुभारंभ, हरीश भिमानी दे रहे प्रशिक्षण

इंदौर। ऐसा नहीं कि एआई के दौर में वॉयस एक्टर के सामने कोई चुनौती नहीं है, लेकिन मशीनी या क्लोन आवाज में जब तक इंसानी भावों की अभिव्यक्ति और अनुभूति नहीं होगी, वॉयस एक्टर्स की उपयोगिता बनी रहेगी । प्रबुद्ध स्वर विशेषज्ञ हरीश भिमानी ने यह बात कही। वे स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित वॉयस एज ए करियर वर्कशॉप में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दो दिन की यह वर्कशॉप स्थानीय अभिनव कला समाज में गुरूवार को शुरू हुई। पहले दिन 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री भिमानी ने वर्कशॉप वॉयस एक्टिंग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने प्रतिभागियों को कुछ ऐसे अभ्यास भी बताए जिनसे आवाज को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, आपके बोलते ही आपकी तहजीब और आपके व्यक्तित्व का पता चलता है, जिसका बोलना बेहतर होता है, उसे अवसर भी बेहतर मिलते है। श्री भिमानी ने ताजा ट्रेंड के मुताबिक कहा, आज वॉयस ओवर के लिए तो काम कम है लेकिन डबिंग में वॉयस एक्टर के लिए काफी काम है। परंतु आपको हिंदी के अलावा अंग्रेजी भाषा का भी ज्ञान होना चाहिए। उर्दू भी जरूर

सीखना चाहिए। वर्कशॉप में श्री भिमानी से समन्वयक श्री शकील अख्तर ने भी कुछ जरूरी सवाल पूछे। उन्होंने श्री भिमानी को, जानकारियों का खजाना और एक चलित स्मृति कोष करार दिया। उन्होंने आग्रह किया कि भिमानी जी को पॉडकास्ट के जरिए अपना बेशकीमती अनुभव प्रसारित करना चाहिए। श्री भिमानी ने कहा, अगर हम बोलने के पहले केवल एक सेकंड भी सोच लेंगे तो हमें पता चल जाएगा कि हमें क्या नहीं बोलना है। कैसे और कितना बोलना है। बोलने में, उच्चारण में जितनी शुद्धता और स्पष्टता होगी, उतना ही आपका प्रभाव बढ़ेगा। इसलिए आराम से बोलिए। ठहरकर बोलिए। सोच समझकर बोलिए। अपने बोलने को लगातार बेहतर कीजिए। उन्होंने कहा कि हममें जो कमियां है वह शायद हमारी गलतियां ना सुधारने वालों की गलती है। उन्हें आपको तो सुधारना ही है। नहीं तो वह खामियां बढ़ती रहती हैं। खुद को इंप्रूव करने के लिए आलोचक नहीं क्रिटिक बन जाओ। प्रारम्भ में हरीश भिमानी, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, वर्कशॉप समन्वयक शकील अखुतर, पंकज क्षीरसागर और पुष्कर सोनी ने दीप प्रज्वलित कर वर्कशॉप का शुभारम्भ किया। अतिथि परिचय पंकज क्षीरसागर ने दिया। श्री भिमानी का स्वागत प्रवीण खारीवाल और शकील अख्तर ने किया।

भजन, कीर्तन, कव्वाली, गीत संगीत विचारधारा के प्रसार का कारगर साधन

इंदौर । डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 134 वी जयंती के उपलक्ष्य में भीम सूर्या फाउंडेशन, न्यू राम नगर, इंदौर के तत्वाधान में बहुजन जनजागृति संगीत मंडल, भिंड के कलाकारों ने तथागत बुद्ध, बाबासाहेब तथा महापुरुषों के जीवन आदर्शों और विचारों को गीत संगीत के माध्यम से प्रचारित करने का आयोजन किया। जिसका देर रात्रि तक अनुयायियों ने आनंद उठाया।

भीम सूर्या फाउंडेशन के संयोजक हर्ष रवि चौधरी ने बताया कि बहुजन समाज में शिक्षा, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और संविधान में दिए अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जनजागरण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत भीम जन्मभूमि स्मारक के अध्यक्ष भंते प्रज्ञाशील जी ने दीप प्रज्वलित कर की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. सुदेश बागड़े जी, असिस्टेंट कमिश्नर (जीएसटी), विशिष्ट अतिथि मा. एस.एस. मौर्य (प्रधानाचार्य, सीएम राइस मुसाखेड़ी) मा. जी. आर. झरखडे (पुलिस निरीक्षक) मा. डॉ. मालती झरखडे जी (सामाजिक कार्यकर्ता) मा. संगीता बागड़े जी (बीएसएनएल अधिकारी) ने तथागत बुद्ध और महामानव बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया और पूज्य भंते ने सभी को त्रिशरण पंचशील ग्रहण कराया। अपने उद्बोधन में मा. बागड़े जी ने कहा कि गीत संगीत मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने का एक अति विशिष्ट माध्यम है। भजन, कीर्तन, अलख, कव्वाली और गीत संगीत की अन्य विभिन्न विधाओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को जागृत कर महापुरुषों की विचारधारा को घर घर तक पहले भी प्रचारित किया जाता रहा है और कलाकारों द्वारा यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

प्रधानाचार्य माननीय मौर्य जी ने कहा कि परंपरागत रूप से किए जाने वाले इस प्रकार के आयोजनों से उत्साह का संचार और रस में वृद्धि होती है और लगातार भौतिक उत्साह के संचार से नित नए कार्यकर्ताओं का सृजन भी होता है, इसलिए भी इस प्रकार के आयोजनों की अपनी सामाजिक आवश्यकता होती है।

झरखडे जी ने भी आयोजकों के उत्साह में वृद्धि करते हुए सभी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और बधाई प्रेषित की।

इस अवसर पर मेमोरियल सोसायटी के एड. प्रकाश निकडे, सम्यक बुद्ध विहार, कुशवाह नगर के आयुष्मान उत्तमराव पाटिल, आयु. नरेंद्र रायपुरिया, आयु. मालवीय जी, आयु. गुलाबराव नीरापुरे जी, आयु. राम कुमार दोहरे जी, सुश्री मुदीता, आयुष्यमति कविता गुजरे, आयु. संगीता निरापुरे, डॉ. वंदना मालवीय, आयु. राजकुमारी मौर्य की उपस्थिति रही।

डीएवीवी ने विधि परीक्षाओं का शेड्यूल किया जारी

इन्दौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर ने विधि पाठ्यक्रम की डेढ़ दर्जन से ज्यादा सेमेस्टर की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। ये परीक्षाएं 17 मई से 30 जून के बीच आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने इस बार एक महीने पहले ही इन परीक्षाओं का टाइम टेबल पोर्टल पर जारी किया है जिसके चलते विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

डीएवीवी परीक्षा विभाग द्वारा बीए-एलएलबी, बीकाम एलएलबी, बीबीए-एलएलबी, एलएलबी और एलएलएम पाठ्यक्रमों के दूसरे, चौथे, छठे, आठवें और दसवें सेमेस्टर की इन परीक्षाओं में करीब दस हजार विद्यार्थी सम्मिलित हंगे। परीक्षा के लिए केंद्र अगले सप्ताह बनाए जाएंगे। वहीं नकल रोकने को लेकर विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाते ऐसे केंद्रों को सूची से हटा दिया है।

जहां पूर्व में नकल प्रकरण सामने आए थे। वहीं परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए विश्वविद्यालय ने उड़नदस्ते और आब्जर्वर की नियुक्तियां करने का भी फैसला लिया है। उधर टाइम टेबल जारी होने के बाद कुछ संगठन एवं छात्रों ने सीए और सीएस की परीक्षाओं का हवाला देते हुए तारीख बदलने की मांग की जिस पर परीक्षा नियंत्रक डा अशोष तिवारी ने इनकार करते कहा कि अब कोई बदलाव नहीं होगा। सभी परीक्षाएं घोषित टाइम टेबल अनुसार ही होगी।

तेज धूप पैदा कर रही कई बीमारियां अस्पतालों में बढ़े मरीज

इंदौर। मौसम का मिजाज बदलने के बाद तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम के कारण सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग बीमारी के चपेट में आ रहे हैं। इससे सीजनल बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। यही कारण है कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिसमें सर्वाधिक सर्दी, जुकाम, बुखार के अलावा पेट दर्द, शरीर दर्द, डायरिया, चर्म रोग, हार्ट सहित अन्य बीमारियों के मरीज शामिल है।

यही नहीं धूप अब सिर्फ झुलसा नहीं रही, सोचने-समझने की ताकत भी चुरा रही है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी से दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर पर असर पड़ रहा है, जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया केस तेजी से सामने आ रहे हैं। स्थिति यह है कि मनोरोग विभाग की ओपीडी में ऐसे केस अप्रैल माह में 15 फीसदी तक बढ़े हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिक तापमान दिमाग में डोपामिन और सेरोटॉनिन जैसे न्यूरो ट्रांसमीटर को प्रभावित करता है। जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया फेज के केस बढ़ते हैं। इन मरीजों में तेज बोलना, नींद की कमी और निर्णय लेने की क्षमता का कमजोर होना प्रमुख लक्षणों के रूप से देखे जा रहे हैं।

बायपोलर डिसऑर्डर का धूप से सीधा कनेक्शन

बायपोलर डिसऑर्डर एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है। जिसमें व्यक्ति के मूड में अत्यधिक उतार चढ़ाव होता है। यह दो तरह का होता है। जिसमें पहला मेनिया है। इसमें व्यक्ति उत्साह और ऊर्जा की अधिकता महसूस करता है। यह तब होता है जब व्यक्ति तेज धूप के संपर्क में ज्यादा रहता है। जिसमें समय पर इलाज ना लिया जाए या सावधानी ना रखी जाए तो यह एक्यूट मेनिया का रूप ले सकता है। वहीं, बारिश या ठंड में जब धूप कम होती है तब इसके दूसरे रूप डिप्रेशन के मामले बढ़ते हैं। जिसमें उदासी और ऊर्जा की कमी के एपिसोड शामिल होते हैं।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय कर्मचारी (गैर शिक्षक) संघ का शपथ समारोह सम्पन्न हुआ

इंदौर। देवीअहिल्या विश्वविद्यालय कर्मचारी (गैर शिक्षक) संघ का शपथ समारोह बहुत ही भव्य और गरिमा पूर्व रुप से सम्पन्न हुआ,महापौर पुष्प मित्र भार्गव के मुख्यातिथ्य. कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई की अध्यक्षता, गजाशीन शनिधाम आश्रम के महामंडलेश्वर दादू महाराज के साररस्वतआतिथ्य एवं कार्यपरिषद सदस्य श्रीमती वैशाली वायकर एवं कुलसचिव डॉ. अजय वर्मा के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन संघ अध्यक्ष चैनसिंह यादव, संचालन महासचिव रमेश कुशवाह, एवं संघ की गतिविधियों की जानकारी महासंघ प्रवक्ता महेंद्र श्रीवास्तव द्वारा दी गई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता गुलशन यादव, वरिष्ठ पत्रकार राजेश यादव, पूर्व आई.जी. बी. एस. एफ. अशोक यादव मुकेश यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। सर्वप्रथम आंमत्रित अतिथियों का संघ सदस्यों द्वारा स्वागत एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया,इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा भविष्य में विश्वविद्यालय को किसी भी प्रकार के विधिक अभिमत निःशुल्क प्रदाय की घोषणा की गई।

कर्मचारी संघ की मांग पर विश्वविद्यालय के दोनों परिसर पर नगर निगम के सहयोग से बगीचा बनाये जाने की भी घोषणा की गई, पूज्य दादू महाराज द्वारा संघ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए माँ अहिल्या के लोक कल्याणकारी कार्यों का बहुत ही सुंदर वर्णन किया गया।

कार्यपरिषद सदस्य श्रीमती वैशाली वायकर द्वारा विश्वविद्यालय के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन करने एवं संघ की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की गई, कुलसचिव डॉ. अजय वर्मा द्वारा कर्मचारी हित में संघ द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुए निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनायें प्रेषित की गई।

अतिथियों का स्वागत संघ उपाध्यक्ष राकेश सिलावट, सहसचिव कमलेश हार्डिया, राम मनोरथ बेगा, कोषाध्यक्ष डॉ. राजेश जोशी कार्यकारिणी सदस्य डॉ. संतोषसिंह रघुवंशी, अमर बहादुर यादव, चंद्र शेखर व्यास, डॉ. अमित राजपूत दीपक मेहता, सुरेश गुहे, धर्मेन्द्र सुनहरे, शैलेश श्रीवास, अनिल पाबले, अजय मुजाल्दा, पंकज शर्मा ने किया।

कार्टून कोना.....

जलियावाला बाग के शहीदों की सुध नहीं ले रही भारत सरकार

इन्दौर। पंजाब, अमृतसर के जलियावाला बाग नृशंस हत्याकाण्ड के 106 वर्ष पूर्ण होने पर स्वतंत्रता सेनानी एवम् शहीद परिवारों के सदस्यों ने जलियावाला बाग में शहीदों को नमन करने के लिए देश के 22 राज्यों से सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के वंशज उपस्थित हुए ।

स्वर्ण मन्दिर में मत्था टेककर डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा से विधिवत् सुबह 7 बजे जलियावाला बाग तक शांतिमार्च निकाली । शांतीमार्च का संचालन म.प्र. स्वतंत्रता सेनानी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सीतलानी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पंत ने किया।

शांति मार्च के बाद सुबह 8 बजे जलियावाला बाग परिसर में श्रद्धांजली सभा आयोजित हुई । इस सभा में अखिल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी / शहीद परिवार कल्याण महापरिषद के सभी पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित किए एवं पंजाब के सेनानी / शहीद परिवारों के सैकड़ों सदस्य मौजूद रहें और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी / शहीद परिवार कल्याण महापरिषद एवं म.प्र. स्वतंत्रता सेनानी एवम् उत. संयुक्त संगठन (रजि.) के तत्वावधान में अमृतसर में ही बैठक संपादित हुई, जिसकी अध्यक्षता 108 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री अनूप सिंह द्वारा की गई। बैठक में महापरिषद के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. कुमार पटेल, राष्ट्रीय समन्वयक हरिश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय नारायण सीतलानी, अवधेश पंत, मुकेश मर्चेन्ट, महावीर ढाका, अशोक सिंधु,सुश्री रमादत जोशी, संजय चौबे, विकास जोशी, संतोष सिंह, अरविन्द गुप्ता, मनोहर सिंह तोमर, गिरजाशंकर राय गोविन्द सिंह चन्दवंशी, राकेश चौरसिया भी उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखें । जलियावाला बाग शहीदों को नमन करते हुए गरमदल के क्रांतिकारी शहीदों सरदार भगत सिंह, उधम सिंह, नेताजी बोस, सुखदेव, राजगुरू, हेमु कालानी के चित्रों पर माल्यार्पण करते हुए राष्ट्रहित एवं राष्ट्रभक्ति के बारे में अपने विचार रखें और भारत सरकार से कहा कि यहां जलियावाला बाग में भव्य आयोजन करना चाहिए लेकिन भारत सरकार ने नहीं किया। इस कारण देशभर में स्वतंत्रता सेनानी परिवार एवं वंशजों को सड़क पर आना पड़ा ।

संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री गोपाल नारसन ने किया एवं अन्त में आभार पंजाब के प्रांतध्यक्ष श्री गुरविंदर पाल ने माना ।

करोड़ों का घोटाला करने वाले सरकारी एजेंसियों पर उछाल रहे कीचड़ : श्री टेलर

भाजयुमो ने जलाया सोनिया गांधी-राहुल गांधी का पुतला

शाजापुर। वर्ष 2012 में जब कांग्रेस की सरकार थी उस समय नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं थे। उस समय सोनिया गांधी-राहुल गांधी पर नेशनल हेराल्ड मामले में करोड़ों के घोटाला कर चुके थे, जिन पर प्रकरण भी दर्ज हो गया था। लेकिन ये लोग खुद को निर्दोष साबित करने में लगे हुए हैं और इसके लिए भाजपा नेताओं के साथ-साथ देश की सरकारी एजेंसियों को बदनाम करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

यह बात भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्याम टेलर ने गुरूवार को बस स्टैंड पर सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के पुतला दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि देश के अंदर छल-कपट व झूठ की राजनीति की जा रही है। इसके लिए ये लोग देश की सम्माननीय सरकारी एजेंसियों पर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। जबकि ये लोग घोटाले के आरोपी है, जिन पर जांच के बाद प्रकरण

दर्ज हुए हैं और आज ये खुद को पाक-साफ साबित करने के लिए भाजपा नेताओं व सरकारी एजेंसियों को बदनाम कर रहे हैं। इसके बाद भाजयुमो द्वारा विधायक अरूण भीमावद, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे के नेतृत्व में सोनिया गांधी व राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। इसके पूर्व भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड परिसर में रैली निकालते हुए सोनिया-राहुल गांधी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर विधायक अरूण भीमावद, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष पं. आशीष नागर, हरिओम गोठी, राधेश्याम गुर्जर, मोहनसिंह जादौन, महामंत्री गोविंद नायक, भगवान सिंह, पूर्व नपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, पूर्व मीडिया प्रभारी उमेश टेलर, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष शीतल भावसार, दिलीप त्रिवेदी, जुगल नाहर, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राम बडिया, युवा मोर्चा जिला पदाधिकारी जुझारसिह राजपूत, युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी अशोक जाधव, राहुल परमार, अतुल पालीवाल, अमित सांकलिया, दीपक राठौर, अर्जुन सोंती, अर्जुन गुर्जर, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष उमंग शर्मा, अभय सरिया, नरेंद्र बैरागी, मंडल पदाधिकारी चेतन कुशवाह, नीलेश चंद्रवंशी, हर्षित राठौर, गौरव जोशी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीपी ज्वेलर्स ने शहर में लगाये अवैध होर्डिंग, निगम ने दिया वसूली का नोटिस

रतलाम। डीपी आभूषण द्वारा शहर भर में लगाए गए होर्डिंग्स को लेकर नगर निगम द्वारा डीपी आभूषण को वसूली का नोटिस जारी किया गया है। नगर निगम के उपयुक्त करुणेश डंडोतिया द्वारा जारी इस नोटिस में डीपी आभूषण के संचालकों को शहर में तीन दिन तक अवैध रूप से होल्डिंग लगाए जाने के लिए 1,80,000 रुपए तत्काल जमा करने को कहा गया है। साथ ही अवैध रूप से लगाए गए होर्डिंग्स को तुरंत हटाने का आदेश भी दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि आदेश के बाद यदि तुरंत होर्डिंग्स नहीं हटाए जाते तो कंपनी पर प्रतिदिन 60,000 का अर्थदंड अतिरिक्त लगाया जाएगा। नगर निगम द्वारा यह नोटिस 15 अप्रैल को जारी किया गया था। आज 17 अप्रैल है और डीपी आभूषण के अवैध होल्डिंग्स आज भी शहर भर में लगे हुए देखे जा सकते हैं। ऐसे में तय है कि डीपी आभूषण को अतिरिक्त अर्थदंड भुगतना पड़ेगा।

मैच सीरीज का भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी पूर्ण बहिष्कार करे -जैन

रतलाम। बांग्लादेश में अगले माह होने जा रहे क्रिकेट मैच वन डे सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम को भाग नहीं लेवें। बांग्लादेश टीम का पूर्ण बहिष्कार करना चाहिए। वर्तमान समय में जिस तरह बांग्लादेश में वक्फ बोर्ड की आड में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है उनके घरों और संपत्ति को लुटा जा रहा है मंदिरों पर हमले किए जा रहे हैं हिन्दू बहन बेटियों की निर्दयता और निर्लज्जता के साथ इज्जत लूटी जा रही है और उन्हें अपने ही देश से मार कूट कर निकाला जा रहा है।

यह बात भगवा स्वयं सेवक संघ संगठन के मध्यप्रदेश अध्यक्ष मोतीलाल जैन ने कही। उन्होंने भगवा स्वयं सेवक संघ भारतीय क्रिकेट टीम ओर उनके संचालक मंडल कोच से ऐसे सभी हिन्दू विरोधी देश ओर उनकी टीम से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रखने की अपील की है।

मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन देने वाली भैंसोला निवासी मधुबाला आवास योजना के लिए अपात्र

रतलाम। गत दिवस मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के रतलाम आगमन पर ताल तहसील के ग्राम भैंसोला निवासी मधुबाला पति अमरसिंह द्वारा प्रधानमंत्री आवास दिए जाने की मांग की गई थी। आवेदन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने जांच करने के निर्देश जारी किए थे। ग्राम पंचायत भैंसोला से प्राप्त जानकारी के अनुसार मधुबाला का आवास प्लस सूची में पीएमएवाई आईडी 149164284 से दर्ज था।

सीईओ जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आलोट ने जांच की। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि मधुबाला के पास ग्राम भैंसोला में पक्की छत का आवास तथा ग्राम पंचायत डेलवास के ग्राम चापलाखेडी में ताल मेन रोड पर पक्की छत का डबल मंजिला मकान बना हुआ है। साथ ही मधुबाला वर्तमान में तीन पदों पर कार्यरत है जिनमें आशा कार्यकर्ता, सेल्समेन के साथ ही शासकीय समूह उचित मूल्य की दुकान के साथ ही मध्यान्ह भोजन भी स्वयं द्वारा संचालित किया जा रहा है। साथ ही ग्राम भैसोला तथा करौन्दी में पट्टे की भूमि है तथा ट्रेक्टर व चार पहिया वाहन भी है। मधुबाला ग्राम पंचायत भैसोला में सरपंच व जनपद पंचायत आलोट में जनपद सदस्य भी रह चुकी है। आवेदक के पास पक्के मकान, चार पहिया वाहन होने से ग्राम पंचायत द्वारा योजनान्तर्गत इन्हें अपात्र घोषित किया गया है। स्वयं के पास पक्की छत का आवास होने से प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत अपात्रत की श्रेणी में आते हैं।

राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

रतलाम। 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों से वर्ष 2024 की राज्य स्तरीय खेल वृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाडी को 10 हजार रुपए, रजत पदक विजेता खिलाडी को 6 हजार रुपए तथा कांस्य पदक विजेता खिलाडी को 6 हजार खेल वृत्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान है। वर्ष 2024 की खेलवृत्ति हेतु आवेदन 31 मई 2025 तक स्वीकृत किए जाएंगे। खेलवृत्ति हेतु आवेदन संबंधित जिले के कार्यालय खेल और युवा कल्याण अधिकारी से प्राप्त किए जा सकते हैं। 31 मई के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पंच-ज-अभियान के तहत जिला न्यायालय में पौधारोपण कर किया स्वच्छता जागरूकता के लिए श्रमदान- श्री आंनद कुमार तिवारी

शाजापुर । म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की मंशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री आनंद कुमार तिवारी के दिशा-निर्देशन एवं सचिव श्रीमती नमिता बौरासी के मार्गदर्शन में पर्यावरण को संरक्षित, सुरक्षित एवं कायाकल्प करने के उद्देश्य से जिला न्यायालय परिसर शाजापुर में स्थित न्यायालय वाटिका एवं जिला न्यायालय परिसर में ''पंच-ज अभियान के तहत स्वच्छता जागरूकता के लिए श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

''पंच-ज अभियान के अंतर्गत जन, जंगल, जल, जमीन एवं जानवर को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अज 17 अप्रैल 2025 को सायं 5.00 बजे से जिला न्यायालय शाजापुर स्थापना के सभी न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण के सहयोग से पौधारोपण कर, श्रमदान करवा कर अनूठी पहल की गई। जिला न्यायालय परिसर स्थित न्याय वाटिका में पेशी पर उपस्थित होने वाले पक्षकार पेड़ों की छाव में विश्राम करते हैं। न्याय वाटिका को स्वच्छ बनाने तथा पक्षकारों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए समस्त न्यायाधीशगण, न्यायिक अधिकारी कर्मचारी के सहयोग से कुडाकरकट, उबड-खाबड जमीन के पत्थर उठवाकर एवं साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ने स्वयं सर्वप्रथम हाथ में फावड़ा, तगारी लेकर साफ-सफाई की और सभी को बढ़चढ कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही जिला न्यायालय परिसर को स्वच्छ बनाने में कूडा-करकट निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री अंजनी नंदन जोशी, विशेष न्यायाधीश शाजापुर, श्री जितेन्द्र कुमार परासर, श्री दिलीप सिंह, श्री गिरिज प्रसाद गर्ग, श्रीमती रंजिता राव सोलंकी, श्रीमती सुनयना श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नमिता बौरासी, न्यायाधीश श्रीमती प्रेमलता गोयल, सुश्री अनुष्का शर्मा, श्री सतीश कुमार शुक्ला, श्री धीरज आर्य, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री विवेक शर्मा सहित अन्य अभिभाषकगण एवं लीगल एड डिफेन्स काउंसिल सिस्टम के समस्त स्टाफ सहित लगभग 100-150 की संख्या में उपस्थित थे। वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए इस श्रमदान अभियान में बढचढ कर भाग लेकर प्रत्येक श्रमदाता के द्वारा उत्साह के साथ अपने-अपने हाथ में सीक झाड़ू, गेती, फावड़ा, तगारी, लेकर न्यायालय वाटिका, न्यायालय परिसर, शाजापुर को अथक प्रयास से साफ-सफाई कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी के द्वारा श्रमदान किया। अंत में सचिव श्रीमती नमिता बौरासी के द्वारा इस श्रमदान स्वच्छता अभियान का समापन कर वातावरण को स्वच्छ रखने एवं निरंतर साफ-सफाई रखने की अपील की तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया गया।

भाजयुमो सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पुतले जलाए

रतलाम। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रदेश व्यापी आह्वान पर नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर गुरुवार को सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के पुतले जलाए। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विश्वल जैन के नेतृत्व में पुतला दहन के दौरान नारेबाजी भी की गई। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विश्वल जैन ने बताया की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लाड्रिंग मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे जाहिर हो गया है कि कांग्रेस ने दशकों तक संस्थानों, सार्वजनिक धन और राष्ट्रीय विरासत को अपनी निजी संपत्ति समझा। इससे ये भी पता चल गया है कि गांधी परिवार ने कांग्रेस के ढांचे का उपयोग कर निजी धन अर्जित किया। और देश की जनता को धोखा दिया है।देश भर में इससे नाराजी है। पुतला दहन के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील सारस्वत, भाजयुमो जिला महामंत्री रविन्द्र पाटीदार, जिला उपाध्यक्ष गौरव मूणत,सिद्धार्थ कटारिया, जिला मंत्री शुभम् चौहान, संजय जाट, राहुल जाधव, कार्यालय मंत्री सत्यजीत सिंह राजावत, शिवम मूणत, सिद्धार्थ मूणत, प्रतीक विजयवर्गीय, मंडल अध्यक्ष आयुष पडियार, दीप सिंह देवड़ा,जयेश जाजोरिया,राहुल टांक, जैनम जैन , सूरज कुशवाह, राजकुमार भाटी, राहुल पांचाल एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रतलाम-ग्वालियर एवं रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के कोच कंपोजिशन में परिवर्तन

रतलाम। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के रतलाम-ग्वालियर एवं रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के रेक को वर्ष 2023 में रेलवे बोर्ड द्वारा जारी पत्रानुसार स्टैंडराइज करने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में दोनों ट्रेनों का परिचालन अलग-अलग तिथियों से परिवर्तित कोच कंपोजिशन के साथ किया जाएगा। गाड़ी संख्या 11126 ग्वालियर रतलाम एक्सप्रेस 21 अप्रैल, 2025 से तथा गाड़ी संख्या 11125 रतलाम ग्वालियर एक्सप्रेस 23 अप्रैल, 2025 से एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छः स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

मंहगाई के दौर में कटुता भारी पड़ रही है - दिग्विजय सिंह

शाजापुर। शाजापुर जिला मुख्यालय पर चोबदारवाड़ी स्थित खानका ए वारसी मैदान में मुस्लिम समाज द्वारा आयोजित सद्भावना सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एंव सांसद दिग्विजय सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि , वे धर्म के मार्ग पर सद्भावना और आपसी प्रेम-भाव से आगे बढ़ें। देश में भाईचारा ही हमारी पीढ़ी को तरक्की के रास्ते पर ले जा सकता है। आज बेरोजगार युवा भटक रहे हैं और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने में इनका इस्तमाल किया जा रहा है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि , मंहगाई के इस दौर में आपसी कटुता हर समुदाय को बहुत भारी पड़ रही है। रोजगार देने के बजाय सरकार लोगों का ध्यान भटका कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने में लगी है। उन्होंने

कहा कि धर्म के नाम पर एक दूसरे से नफरत न करें बल्कि सद्भावना का रास्ता अपनाएं। सभी धर्मो के ग्रन्थ भी हमें सद्भाना और एकता का ही संदेश देते हैं। सनातन धर्म कहता है धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो और प्राणियों में सद्भावना हो। हमारे धर्म में प्राणियों में सद्भावना का उल्लेख बताता है कि प्राणी यानि ना जात, धर्म और ना बिरादरी सब प्रेम के अधिकारी हैं। उन्होंने आव्हान किया कि समाज में बेर पैदा करने वाले तत्वों से सावधान रहें और शाजापुर में इंसानियत के लिए मुस्लिम बच्चियों के प्राण बचाने आग में कूदकर अपना जीवन गंवाने वाले स्वर्गीय श्री चांदमल राम से प्रेरणा लें और उनके बलिदान को याद रखें। सम्मेलन में भाईचारे का पैगाम देते हुए जनाब काजी एहसान उल्ला साहब ने कहा कि , इंसानी रिश्तों में निष्पक्ष और ईमानदार होने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। समाज का मतलब कोई एक वर्ग के लोग नही बल्कि सभी धर्म जाति और पंथ को मानने वालों से मिलकर समाज बनता है। हम सबको मिलकर इस समाज को ताकतवर बनाने के लिए सद्भाव के साथ रहना है और आने वाली भावी पीढ़ी के लिए सांप्रदायिक एकता का अनुपम उदाहरण विरासत में छोड़कर जाना है। जिला जमियत उलेमा ए हिन्द के सदर आलिम हाजी अफ़ज़ल ने कहा कि , हमारे वतन ए अजीज हिंदुस्तान में एकता व भाईचारे की परम्परा सदियों पुरानी है। शांति अमन और भाईचारे का पैगाम देने आए पूर्व मुख्यमंत्री जनाब दिग्विजय सिंह साहब ने अपने 10 साल के कार्यकाल में मप्र को शांति का टापू बनाया था। बगैर भेदभाव उन लोगों पर कार्रवाई होती थी, जो समाज में झगड़ा पैदा कर अमन के माहौल में जहर घोलना चाहते थे। हमें उम्मीद नही छोड़ना है, सदियों से नफ़रत पर मोहब्बत की ही जीत हुई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय-सीमा बैठक

ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट के निराकरण के लिए की जाए समुचित व्यवस्था

बड़वानी। जिले में ग्रीष्मकाल में जिलेवासियों को सुचारू रूप से जलपूर्ति हो, इसके लिए समुचित व्यवस्था बनाए। साथ ही संकट की स्थिति से निपटने के लिए क्राइसिस मैनेजमेंट टीम का गठन करे। प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर जनपद सीईओ, सरपंच, पंच, जीआरएस एवं पीएचई विभाग के साथ बैठक लेकर स्थानीय स्तर पर जल आपूर्ति/जल कमी की स्थिति का निवारण करे। केवल खानापूर्ति ना करे, जमीनी स्तर पर यदि कार्य हो रहे हैं तो उनका लाभ भी आमजन तक पहुंचाना चाहिए।

उक्त बातें कलेक्टर गुंचा सनोबर ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय सभागृह में समय-सीमा बैठक के दौरान कही। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा कर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को जल जीवन मिशन के कार्यों में कोई भी लापरवाही न बरतते हुए जल संकट वाले स्थलों का विजिट कर समस्या का निराकरण करने के साथ ही जनपद स्तर पर ट्यूबवेल की मोटर खराब होने पर मैकेनिक का ग्रामीणों को आसानी से उपलब्ध हो इसकी जानकारी भी उपलब्ध कराएं।

बैठक में दिए मुख्य निर्देश –समग्र ईकेवायसी की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा कर कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ एवं सीएमओ को निर्देशित किया कि वे वार्डवार कैम्प लगाकर प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य में प्रगति लाए। समस्त एसडीएम कार्य प्रगति की सतत मानीटरिंग करे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड की प्रगति के संबध में जनपद सीईओ एवं जीआरएस आपसी समन्व्य से किए जा रहे कार्यों की मानीटरिंग करे। प्रत्येक जीआरएस को प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर कार्य में प्रगति जाए। उच्च शिक्षा विभाग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग को विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति से संबंधित अपूर्ण एवं लंबित आवेदनों को पूरा करने के लिए निर्देशित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा कर सभी सीडीपीओ को निर्देशित कर समस्त कार्यकर्ताओं की प्रतिदिन आंगनवाड़ी केंद्र खुलने एवं उपस्थिति के साथ केंद्रों पर पूरक पोषण आहार वितरण की जानकारी की प्रविष्टि कराए। ग्रीष्मकाल में फसल अवशेषों एवं नरवाई जलाने के संबंध में निर्देशित किया कि पूर्व में इसके संबंध में प्रतिबंधात्मक निर्देश जारी हो चुके हो। साथ ही सेटेलाइट के माध्यम से जानकारी प्राप्त होती रहती है। समस्त एसडीएम इसकी सतत मानीटरिंग करे कि कही ऐसी कोई गतिविधि न हो। बैठक में अपर कलेक्टर केके मालवीय, जिला पंचायत सीईओ काजल जावला, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनाश, एसडीएम भूपेन्द्र रावत, डिप्टी कलेक्टर शक्तिसिंग चौहान सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कल होगा सामूहिक विवाह समारोह

बड़वानी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 19 अप्रैल को कर्नाटक के राज्यपाल डॉ थावरचंद गहलोत के मुख्य आतिथ्य में कृषि उपज मंडी परिसर बड़वानी में सुबह 11 बजे से सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री इन्दरसिंह परमार, राज्यसभा सांसद डॉ सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, विधायक राजन मंडलोई, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कू चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव, डॉ अम्बेडकर प्रतिष्ठान नई दिल्ली के सदस्य भगवतीप्रसाद शिंदे, भाजपा जिला महामंत्री विक्रम चौहान एवं मंडल अध्यक्ष शुभम पाण्डेय वर-वधुओं को आशीर्वाद देकर उन्हें दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं देकर शासन की योजना के तहत लाभांवित करेंगे।

समर्थन मूल्य 7550 रूपए पर होगा तुअर का उपार्जन

बड़वानी। विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर अरहर उपार्जन का कार्य 10 जून तक किया जाना है। जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा पर कलेक्टर गुंचा सनोबर ने सेंधवा सहकारी विपणन संस्था मर्यादित सेंधवा के कृषि उपज मंडी वेयर हाउस किला परिसर सेंधवा के गोदाम को उपार्जन केंद्र बनाया है।अरहर की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7550 रूपए प्रति क्विंटल पर उपार्जन के लिए 1 गोदाम स्तरीय उपार्जन केंद्र का निर्धारण किया गया है।

जिला जल अभावग्रस्त घोषित

पेयजल एवं निस्तार के अतिरिक्त पानी का उपयोग रहेगा प्रतिबंधित

बडवानी। जिले में विगत वर्षों में कम वर्षा होने के कारण भू-जल स्तर में आशानुरूप वृद्धि नहीं हुई है तथा आगामी ग्रीष्म में और अधिक गिरावट होने की संभावना है। इसके मद्देनजर कलेक्टर ने 16 अप्रैल से सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर पानी का उपयोग पीने व निस्तार के अतिरिक्त अन्य कार्यों में करने को प्रतिबंधित किया है। कलेक्टर गुंचा सनोबर ने मप्र पेयजल परिरक्षण (संशोधित) अधिनियम 2002 के अंतर्गत अन्य आदेश होने तक सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर जल स्त्रोतों कुएं, तालाब, नदी, हैंडपम्प, ट्यूबवेल से पेयजल एवं निस्तार के लिए जल के उपयोग को छोड़कर अन्य उपयोग के लिए प्रतिबंध आदेशित किया है।

प्रतिबंध आदेशित –जिले में प्राकृतिक रूप से (नर्मदा नदी को छोड़कर) बहने वाली नदी-नालों तथा तालाबों में उपलब्ध पानी एवं भूमि सतह के नीचे पानी का घरेलू उपयोग एवं पशु धन के रख-रखाव के प्रयोजन के अतिरिक्त पानी की निकासी को पूर्णतरू प्रतिबंधित किया गया है। उक्त अधिनियम में उपबंधित नियमानुसार अपने क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अनुमति के बिना तथा पूर्व से स्थापित नलकूप की 150 मीटर की त्रिज्या में कोई भी नलकूप खनन नहीं करा सकेगा। बिना अनुमति अवैध उत्खनन के मामलों में उक्त अधिनियम में उपबंधित नियमानुसार अपने क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्रवाई करेंगे।

23 अप्रैल को आयोजित होगा निःशुल्क नेत्र शिविर

बड़वानी। जिला चिकित्सालय और लायंस क्लब बड़वानी के संयुक्त तत्वावधान में चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर के सहयोग से 23 अप्रैल को बड़वानी जिला अस्पताल में निःशुल्क मोतियाबिंद, कांचबिंद शिविर का आयोजन होगा। लायन कमलेश शर्मा ने बताया कि डॉ सुरेखा जमरे और डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में लगने वाले शिविर में डॉक्टर्स द्वारा नेत्र मरीजों का परीक्षण किया जाएगा। मोतियाबिंद के मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए चोईथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर बस से भेजेंगे। नेत्र सहायक अनिल राठौड़ ने कहा कि शिविर का 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। मरीज आधार कार्ड साथ में लेकर आए। शिविर स्थल पर शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच निःशुल्क रहेगी।

सीसीटीएनएस एवं आई-आरएडी की वर्चुअल ट्रेनिंग संपन्न

बड़वानी। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 17 अप्रैल को एसपी जगदीश डावर के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागृह में सीसीटीएनएस एवं आई-आरएडी (इंटग्रेटेड रोड़ एक्सीटेंड डेटाबेस) विषयक वर्चुअल ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सिस्को वेबेक्स लिंक के माध्यम से भोपाल से संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्र में पीटीआरआई एवं एनआईसी के विशेषज्ञों द्वारा आई-आरएडी इ-डीएआर (इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीटेंड रिपोर्ट), एमएसीटी (मोटर एक्सीटेंड क्लेम ट्रीबुनल), इंश्योरेंस कंपनियों, एफआर (48 घंटे के भीतर प्राथमिक रिपोर्ट), आईएआर (50 दिनों में विस्तृत रिपोर्ट) तथा डीएआर (90 दिनों में दावा रिपोर्ट) से संबंधित प्रक्रियाओं एवं उनके समय-सीमा में पालन को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर अधिकारियों को दुर्घटना संबंधी सभी प्रकार के आंकड़ों की सटीक एवं समयबद्ध फीडिंग, डाटा क्वालिटी तथा डेटा एनालिसिस के माध्यम से दुर्घटनाओं की रोकथाम व दावों के शीघ्र निपटान में सहयोग की महत्ता बताई। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न स्टेकहोल्डर डिपार्टमेंट्स के साथ इंटीग्रेशन एवं केस फॉरवर्डिंग की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे पीड़ित पक्ष को समय पर न्याय मिल सके। एसपी जगदीश डावर ने भी प्रशिक्षण में अधिकारियों को आई-आरएडी एवं इ-डीएआर से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया। साथ ही वास्तविक आवश्यकता एवं उपयोगिता को रेखांकित किया। इस दौरान एसडीओपी दिनेश सिंह चौहान, डीएसपी महिला सुरक्षा महेश सुनैया, डीएसपी अजाक जितेन्द्र भास्कर, एवं एनआईसी के डीआरएम मोहित पाटीदार सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 अंतर्गत कृषक सुविधा केंद्र का लोकार्पण

खेतिया। 15 मार्च 2025 को जनपद पंचायत पानसेमल के अंतर्गत ग्राम राखी (सीएचसी सेंटर) में कृषक सुविधा केंद्र के निर्माण कार्य (कुल लागत 38 लाख) का लोकार्पण संपन्न हुआ। यह सुविधा केंद्र क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। जिससे उन्हें आधुनिक कृषि संसाधनों एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुलभ होगी। इस अवसर पर जनपद सदस्य मगन पटेल, अध्यक्ष श्रीमती रेवली गरासिया, डॉ अजय निकुम, पंडित माली, जगदीश भंडारी, मंडल अध्यक्ष रामचंद्र सोनीस, निम्बा पाटीदार, सुभाष मिस्त्री, सरपंच शंकर रावताले, उपसरपंच माधवराव पाटील, भागीरथ पाटीदार, विरल पटेल सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति का कराया उपचार

बेसहारा का सहारा बने समाजिक कार्यकर्ता अजित जैन

बड़वानी। कुछ दिन पूर्व बिजासन घाट पर अनिल वाडीले का दुर्घटना में पैर फ्रेक्चर हो गया था। जिसकी सूचना सचिन जायसवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अजित जैन को दी, जिस पर उन्होंने अनिल को बड़वानी बुलाकर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया और सिविल सर्जन अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में डॉ संतोष परिहार ने जटिल ऑपरेशन किया। सिस्टर संगीता इंग्ले, दीप्ति सिंह, शालिनी कोल, दीपिका जाधव, रितेश डाबर ने अनिल की देखभाल कर मानवता की मिसाल पेश की।

सामाजिक कार्यकर्ता अजित जैन ने अनिल की हजामत कराकर कपड़े और फल फरुट की व्यवस्था प्रतिदिन की। साथ ही ऑपरेशन के पूर्व फार्म पर परिजनों के हस्ताक्षर होते हैं। अनिल के साथ कोई नहीं होने पर अजित जैन ने हस्ताक्षर प्रक्रिया पूर्ण की। गुरुवार को छुट्टी होने पर रोटरी क्लब बड़वानी के सहयोग से सेंधवा भिजवाया गया। इस पुनीत कार्य में बड़वानी सुरेखा जमरे, सचिन चौहान सेंधवा के अमित व्यास और निलेश जैन का भी सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि अजित जैन पिछले 20 वर्षों से कई बेसहारा लोगों के ईलाज के लिए सहारा बने।

सामुदायिक एवं संस्थागत पुनर्वास कार्यों में आशाग्राम ट्रस्ट के कार्य अनुकरणीय - कलेक्टर

बड़वानी। संस्थागत और सामुदायिक दोनों पुनर्वास एक ही स्थान पर आशाग्राम ट्रस्ट में प्रत्यक्ष रूप से साकार होते हुए देख सकते हैं। यह एक ऐसी संस्था है जो दोनों ही पुनर्वास कार्यों को अपने उद्देश्य में समाहित कर वंचित वर्ग के लिए समावेशी सामाजिक रचना को आकर दे रही है। उक्त बातें कलेक्टर एवं आशाग्राम ट्रस्ट अध्यक्ष गुंचा सनोबर ने आशाग्राम ट्रस्ट अवलोकन के दौरान कही। सर्वप्रथम उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के कुष्ठ पुनर्वासित हितग्राही के 11 परिवार को जन सहयोग से प्राप्त 11 सीलिंग फैन भेंटकर उनसे कुशलता जानी। 20 परिवारों को पूर्व में भी 20 पंखे उपलब्ध कराए गए हैं। इसके बाद सुश्री सनोबर द्वारा ट्रस्ट द्वारा संचालित कृत्रिम अंग उपकरण निर्माण इकाई की कर्मशाला में पहुंचकर दिव्यांगों के लिए निर्मित सहयोगी उपकरणों की जानकारी ली। स्वावलंबन से स्वाभिमान के लिए प्रारंभ किए गए हस्त निर्मित ताने-बाने से निर्मित वेस्ट को बेस्ट बना रहे दरी उत्पाद के विक्रय केंद्र शिवकुंज ताना-बाना पहुंचकर हस्त निर्मित उत्पाद को देखा एवं वस्तु स्थिति जानी।

कलेक्टर गुंचा सनोबर ने अवलोकन के दौरान कई स्थानों की जानकारी ली। साथ ही सुश्री सनोबर ने आशा चिकित्सालय का अवलोकन कर भर्ती मरीजों से आयुष्मान योजना अंतर्गत मिल रहे लाभ की जानकारी लेकर की गई शल्य चिकित्सा एवं उपचार पर चर्चा की। उन्होंने चिकित्सालय को संस्थागत एवं जन सहयोग से अपग्रेड करने के लिए संबंधितों को निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम भूपेंद्र रावत, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास अजय कुमार गुप्ता, आशाग्राम ट्रस्ट सचिव राजेंद्र सोनी चौकसी वाला, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ राहुल पाटीदार एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जातिवाद और दबाव की राजनीति कर रही भाजपा : शमीम आलम

जावरा पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, श्रोत्रिय मित्र मंडल ने किया स्वागत

जावरा।

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवम् मध्य प्रदेश के प्रभारी शमीम आलम मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान मंगलवार की शाम को वरुण श्रोत्रिय एडवोकेट मित्र मंडल जावरा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता वरुण श्रोत्रिय एडवोकेट के मुगलपुरा स्थित निवास पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने की। शमीम आलम ने अपने उद्बोधन में भाजपा की कथनी और करनी में फर्क के बारे में विस्तृत में अपनी बात कही और भाजपा पर जातिवाद के आधार पर राजनीति करने के खुल कर आरोप लगाए ओर कहा कि हम सबको मिलकर एक जुटता के साथ मिलकर काम करना हैं और भाजपा को पूरे देश से उखाड़ फेंकना हैं। पूरे देश मे किसान त्राही त्राही कर रहा हैं। किसानो के साथ छलावा किया जा रहा हैं। किसानो को समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा हैं। हजारों की संख्या मे शहीद हुए किसानों के परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा प्रदान किया। भाजपा जुमला पार्टी जिसके करनी कथनी मे बहुत अंतर हैं। भाजपा ने सोनिया गाँधी व राहुल गाँधी के ऊपर फर्जी सीबीआई के सहारे चार्ज शीट दाखिल कराया है। भाजपा अपनी नाकामी को छिपाने के लिए ऐसे दबाव की राजनीति कर रही हैं। जिसकी मैं घोर निन्दा करता हूं।

पैसे के बल पर राजनीति कर रही भाजपा

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि भाजपा पेसों के बल पर राजनीति कर रही हैं। आयोजक वरुण श्रोत्रिय एडवोकेट ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा आज भाजपा देश को गलत दिशा में ले जाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस के नेताओं पर झूठे मुकदमे थोप रही हैं। इसी कारण यह आयोजन कांग्रेस की एकता और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए किया गया हैं। कार्यक्रम को जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष राजेश भरावा, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष वंदनाराज पुरोहित, कांग्रेस नेता नीतीराज सिंह, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राधेश्याम चौहान, जगदीश यादव, रामनारायण धाकड़, धर्मेंद्र शर्मा, प्रेमसिंह गामड़, कृष्णा पाटीदार, ओमप्रकाश कुमावत, शिव कंडारे, संजू भाटी, पदमा हिंगड़, पार्षद रशीद भाई, पप्पू चरोडिया (पार्षद प्रतिनिधि), उबैद अंसारी एडवोकेट, लोकेश विजवा (नगर पालिका चेयरमैन), दिनेश राजपुरोहित, चंद्रशेखर शर्मा, पूर्व जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष यास्मीन खान, आरिफा कछवा, प्रदेश मीडिया सचिव कादिर एहमद, हीरालाल पाटीदार, प्रकाश पाटीदार, वर्दीचन्द बारोड़, फारुख भाई, रामनारायण राठौड़, अजय श्रीवास्तव एडवोकेट, शशि श्रोत्रिय सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया।

शाल श्रीफल और पुष्पमाला से किया सम्मान

कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान वरुण श्रोत्रिय एडवोकेट मित्र मंडल द्वारा शाल साफा एवं पुष्प माला पहना कर किया गया। आयोजन में जावरा, आलोट रतलाम सहित पूरे जिले से कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुए। जिनमें प्रमुख रूप से वर्दीचंद पाटीदार, समय श्रोत्रिय, दशरथ बोरिया, शेखर नामदेव, बबलू भाई, नरसिंह मावता, अंबाराम बोडाना, गोवर्धनलाल बोडाना, जमालुद्दीन, सद्दाम कुरेशी, शंकरलाल मालवीय, पूर्व सरपंच नरेंद्रसिंह पुरोहित, हीरालाल पाटीदार, बाबूलाल पाटीदार, वर्दीचंद बारोट, पप्पूलाल रानीगांव, अनोखीलाल मीणा, पीरुलाल सूर्यवंशी, प्रहलाद पंवार, इमरान मंसूरी, शिवलाल भूतेड़ा, बबलू भाई लसूड़िया, राजू, यासीन मंसूरी, हीरालाल परमार, विनोद ओरा पार्षद प्रतिनिधि, सलमान खान, मेहबूब मंसूरी, मोहम्मद उमर भाई, असलम कुरैशी, राजा भाई, सद्दाम खान, सुरेंद्र जैन, मोना भाई, सतीश, सोनू, श्यामा पारखी पूर्व पार्षद, नाहरू खान, कीर्ति कुमार बरा, अनोखीलाल मीणा, कैलाशी बाई, राजश्री जाटव, पप्पूलाल बारोट, इमरान मंसूरी, हीरालाल परमार सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद मेहता ने किया। आभार कांग्रेस नेता रिजवान पठान ने माना।

जैन संतो पर हुई मारपीट मामले में जैन समाज का विरोध

मौन रैली निकाल मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पिपलौदा।

सकल जैन समाज द्वारा ग्राम कछोला के हनुमान मंदिर में रात्रि विश्राम करने हेतु ठहरे जैन संतो के साथ की गई मारपीट के मामले में प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

इसी कड़ी में पिपलौदा के जैन समाज ने मौन रैली निकालकर विरोध जताते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार देवेंद्र दानगढ़ व थाना प्रभारी प्रकाश गड़रिया को सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि जैन समाज के मुनिराज विहार करते हुए दिनांक 13 अप्रैल को जावद विधान सभा क्षेत्र में सिंगोली के पास ग्राम कछेला के हनुमान मंदिर में रात्रि विश्राम करने हेतु ठहरे थे तभी कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ मारपीट की गई। उपरोक्त शर्मनाक

घटना से पुरा देश शर्मींदा हुआ हैं बदमाशों के द्वारा हनुमानजी के मंदिर में यह जघन्य कृत्य किया है, जैन समाज जो की दया, करूणा, सहिष्णुता और सम्मान सिखाता हैं, जैन साधु किसी भी मोह माया सांसारीक विलासिता को त्यागकर धर्म के मार्ग पर जीवन जीते है, तथा अनुयायीयों को भी धर्म के साथ जीवन जीना सिखाते है। संत राष्ट्र की धरोहर हैं उनके साथ अमानवीय व्यवहार करने वालो को फाँसी की सजा का प्रावधान किया जावे।

रासूका के तहत कार्रवाई की मांग

समाजजनो ने मांग करते हुए कहा कि जैन संत के साथ जो अपराध बदमाशों के द्वारा किया गया है उसकी जांच उच्च स्तरीय करवाई जावे तथा अपराधियों पर भारतीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के अन्तर्गत प्रकरण पंजीकृत किया जावे तथा भविष्य में ऐसी कोई घटना की पुनावर्ती न हो यह सुनिश्चित किया जावें। जैन संतो की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाने की मांग की। ज्ञापन के पूर्व झंडा चोक जैन मंदिर से विरोध स्वरूप मौन रैली निकाली गई जो मुख्य मार्ग से होते हुए नाका न.1 पर पहुची जहाँ जैन समाज सहित विभिन्न समाज के वक्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए अपनी अपनी बात रखते हुए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सकल जैन श्री संघ, श्री वर्धमान स्थानक जैन श्री संघ, वाटिका ट्रस्ट, नवयुवक, तरुण परिषद, महिला परिषद आदि के साथ सर्व धर्म समाज के लोग मौजूद रहे।

जेएसजी सेंट्रल ने शिखरजी यात्रा पर जाने वालों का किया बहुमान

जावरा। शिखरजी तीर्थ जिसकी कल्पना मात्र से ही हृदय में पवित्रता और असीम कर्मो का क्षय हो जाता हैं, ऐसी पवित्र भूमि जिसके कण कण में असीम ऊर्जा का संचार होता हैं, ऐसी पवित्र भूमि जो प्रभु भगवन की मोक्ष गाथा कहती हैं। ऐसी पवित्र भूमि की स्पर्शना करना सौभाग्य को प्राप्त करने जैसा हैं। उक्त विचार जेएसजी सेंट्रल अध्यक्ष संजय सुराणा ने व्यक्त किए। जावरा से 100 सदस्यीय दल ने मंगलवार को जैन समाज के सर्वोच्च तीर्थ शिखरजी यात्रा हेतु प्रस्थान किया। इस अवसर पर जेएसजी सेंट्रल द्वारा कन्हैयाल दीपक हिंगड़ के सौजन्य से रेलवे स्टेशन पर सभी तीर्थयात्रियो का बहुमान कर पानी की बोतल वितरित की गई एवम आइसक्रीम से सभी का स्वागत कर अनुमोदन की। यात्रा के सूत्रधार सन्दीप श्रीश्रीमाल, अशोक झामर, राजेन्द्र जैन का बहुमान भी किया गया। इस अवसर पर अरुण संघवी, अतुल सुराणा, दिनेश ओस्तवाल, प्रतीक डूंगरवाल, संजय सगरावत, सौरभ मेहता, वैभव चपडोद, महावीर डाँगी, अनिता हिंगड़, ज्योति सुराणा, मिथिलेश सगरावत, सुनीता जैन, अनिता व्होरा आदी सदस्य उपस्थित थे। संचालन सचिव अमित चत्तर ने किया। जानकारी मीडिया प्रभारी राजेश हिंगड़ ने प्रेषित की।

सोहन देवी काकाणी का निधन

बड़ावदा। माहेश्वरी समाज के स्व. रामकिशन काकाणी की धर्म पत्नी, सुभाष (बजरंग) काकाणी की भाभी, राजेश काकाणी (पत्रकार) की माताजी ,सरल स्वभावी श्रीमती सोहन देवी काकाणी (77) का बुधवार को हृदयगति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। पिछले तीन चार दिनों पहले आपको हृदय संबंधी तकलीफ हुई थी। इंदौर निजी हॉस्पिटल में आपका उपचार चल रहा था। गुरुवार को आपका ऑपरेशन होने वाला था लेकिन उन्होंने बुधवार की रात्रि को जीवन की अंतिम सांस ले ली। आपके निधन की खबर से समाज में शोक व्याप्त हो गया। अंतिम यात्रा गुरुवार को प्रातः 11 बजे निज निवास स्थान से निकली। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। शांतिवन में पुत्र राजेश व परिजनों ने मुखाग्नि दी। शांतिवन में शोकसभा में सुभाष सकलेचा, मनोहर तोषनीवाल, अर्जुनलाल शर्मा, आनंद श्री गुप्ता, इंदौर आदि ने शोक प्रकट करते हुए ने स्व. काकाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उठवाना शुक्रवार को दोपहर 1 बजे माहेश्वरी धर्मशाला में होगा।

शहर पनाह की दीवार को पुनः बनाने की मांग

जावरा।

शहर के पठान टोली क्षेत्र में टूटी शहर पनाह की दीवार को पुनः बनाने की मांग को लेकर वार्ड क्रमांक 8 गली कमाल खान के रहवासियों ने एसडीएम त्रिलोचन गौड़ को ज्ञापन सौंपा हैं।

ज्ञापन में बताया कि करीबन 07-08 माह पूर्व में वार्ड में नाली निमार्ण का कार्य शुरू हुआ। जिसमे आधे क्षेत्र में गेती पावडी से खुदाई की गयी एवं आधे क्षेत्र में जेसीबी मशीन द्वारा नाली खुदाई की गयी। जिससे शहर पनाह की दिवाल की नीव तक खुदाई होने के कारण

दिवाल क्षतिग्रस्त हो गयी एवं दिवाल की नीव कमजोर हो गयी व नाली का पानी व बरसात का पानी लगने से शैष दिवाल पुरी तरह से धस गयी और खुदाई का मलबा पड़ा होने के कारण किसी भी प्रकार की कोई जन हानी नहीं हुई। तब से लेकर अब तक उक्त मलबे का कार्य बहुत ही धमी गति से चलता रहा। जिससे वार्ड वासीयों को काफी परेशानीया हो सामना करना पड़ा एवं नाली का गंदा पानी सडक पर बहने से गंदगी और बदबू फैल रही है। जिसके कारण बिमारीयों का खतरा बना हुआ हैं। नाली निर्माण हेतु चुने की लाईन डालकर सिमाकंन किया गया एवं जेसीबी से नाली हेतु गड्ढे खोदे गये व दिवाल निर्माण के लिए कई बार कहा गया, लेकिन जवाबदारों ने उसे अनदेखा कर दिया। दीवाल बनाने से पहले नपा नाली बना रही हैं जबकि पहले दीवाल आवश्यक हैं। उसी के सहारे नाली का निमार्ण होना है। रहवासियों ने शहर पनाह की दीवार की ऊंचाई 10 फीट तक करने की मांग की हैं।

शहर में जाम की कहानी ... सुबह से लेकर शाम तक लगने जाम

ऑटो मिनीडोर के साथ अव्यवस्थित पार्किंग के चलते आ रही परेशानी

जावरा।

शहर में जनसंख्या में वृद्धि के साथ ही वाहनों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। दुपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ ही शहर में यात्री वाहनों की संख्या में भी लगातार बढ़ रही हैं।

लेकिन वाहनों की बढ़ोतरी के मान से शहर की सड़के संकरी हैं, बाजारों में व्यवस्थित पार्किंग नहीं हैं, जिसके चलते शहर में सुबह से लेकर शाम तक कई बार जाम की समस्या बनी रहती हैं। शहर के रतलामी गेट चौराहा, लक्ष्मीबाई रोड़, नीम चौक के साथ ही मुख्य बाजार में दिन में कई बार जाम लगते हैं। दुकानों के बाहर सामान और उसके आगे दुकानदारों और ग्राहकों के वाहन खड़े रहते हैं, जिससे सड़के और संकरी हो जाती हैं। ऐसे में यात्रियों से भरे ऑटो मिनीडोर भी सवारियों को उतारने और बैठाने के लिए कहीं भी वाहन को रोक देते हैं, जिससे पीछे आने वाले वाहन का जमावड़ा हो जाता हैं। वाहन से तो दूर आम जनता को पैदल भी

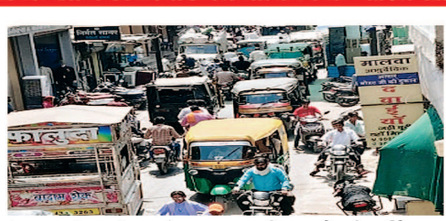

निकलना मुश्किल हो जाता हैं।

सागर पेशा की सड़क

बनी वाहनों की पार्किंग

शहर में रतलामी गेट से बाजार तक दिन भर लगने वाले जाम से निजात के लिए करोड़ो रुपए खर्च कर नगर पालिका ने सागर पेशा की पुरातन दिवार को गिराते हुए सीसी रोड़ का निर्माण किया, लेकिन रतलामी गेट पर इस सड़क के मुहाने पर दो मकान के आने से इस सड़क का उपयोग अब तक नहीं हो पाया हैं, ऐसे में वन वे के लिहाज से बनी यह सड़क वर्तमान में चार पहिया वाहनों की पार्किंग के रुप में उपयोग हो रही हैं।

नहीं है प्रशासन का डर

शहर के चौपाटी चौराहे से लेकर समुचे बाजार तक दुकानों के बाहर वाहन खड़े रहते हैं, दुकानों का समान भी आधी सड़क तक पहुंच जाता हैं, चौपाटी रोड़ पर तो दोनो ओर की सकड़ सब्जी व फल के हाथ ठेले वाले घेर लेते हैं। प्रशासन जब कार्रवाई करता हैं उस समय से सभी ठेले, सामान और वाहन हट जाते हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों के जाते ही हालात पुनः जस के तस हो जाते हैं। स्थायी रूप से इस समस्या का हल नहीं होने के चलते किसी को भी प्रशासन का कोई डर नहीं हैं।

स्व. सतीष चन्द्र गोठी मेमोरियल
अंडर-13 क्रिकेट स्पर्धा

विजय क्लब की आसान जीत

इंदौर। आईडीसीए के तत्वावधान में श्रीराम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित स्व. सतीष चन्द्र गोठी स्मृति अंडर-13 क्रिकेट स्पर्धा के अंतर्गत आज विजय क्लब एवं मह स्पोर्ट्स के मध्य मैच खेला गया जिसमें मह स्पोर्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 26 ओवरो में सभी विकेट खोकर मात्र 58 रन बनाये। कोई भी बल्लेबाज उल्लेखनीय प्रदर्षन नहीं कर पाया । विजय क्लब की ओर से आयुष्मान स्वामी ने 4 विकेट एवं धैयांष अवे, नक्ष पाल एवं आरव शर्मा ने 2-2 विकेट लिये । जवाब में विजय क्लब ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 ओवरो में 1 विकेट खोकर 59 रन बना लिये और यह मैच आसानी से 9 विकेट से जीत लिया । युवराज भंडारी ने नाबाद 26 रन एवं देवांष जलाधरे ने नाबाद 17 रनों का योगदान दिया।

मुंबई इंडियंस की लगातार दूसरी जीत

सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से हराया; जैक्स ने 2 विकेट लिए

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने ब्रुक्र के 18वें सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। टीम ने गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से हरा दिया। विल जैक्स ने 36 रन बनाए, उन्होंने बॉलिंग करते हुए 2 विकेट भी लिए। स्कूल ने इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को हराया था।

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। बेहतरीन बॉलिंग के सामने हैदराबाद ने 5 विकेट खोकर 162 रन बनाए। मुंबई ने 18.1 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने 26, रायन रिकेलटन ने 31 और सूर्यकुमार यादव ने 26 रन बनाए। हैदराबाद से कप्तान पैट कमिंस ने 3 और ईशान मलिंगा ने 2 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर जीत दर्ज की। तिलक वर्मा ने जीशान अंसारी के खिलाफ चौका लगाया और टीम को 4 विकेट से जीत दिला दी। मुंबई इंडियंस ने 18वें ओवर में 2 विकेट गंवाए। हार्दिक पंड्या ओवर की दूसरी बॉल पर कैच हो गए। उन्हें ईशान मलिंगा ने पवेलियन भेजा। हार्दिक ने 9 गेंद पर 21 रन बनाए। ओवर की पांचवीं गेंद पर नमन धीर स्कूल भी हो गए। मुंबई ने 15वें ओवर में चौथा विकेट गंवाया। पैट कमिंस ने ओवर की तीसरी बॉल शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ फेंकी। विल जैक्स बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन मिड ऑफ पर कैच हो गए। उन्होंने 36 रन बनाए। मुंबई ने 13वें ओवर में तीसरा विकेट गंवा दिया। पैट कमिंस ने ओवर की चौथी बॉल स्लोअर फेंकी। सूर्यकुमार यादव मिड ऑफ पर जीशान अंसारी के हाथों कैच हो गए। सूर्या ने 26 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने 11वें ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। सूर्यकुमार यादव ने जीशान अंसारी के खिलाफ ओवर की चौथी बॉल पर 2 रन लिए। इसी के साथ टीम की सेंचुरी भी पूरी हो गई। 8वें ओवर में मुंबई ने दूसरा विकेट गंवाया। हर्षल पटेल ने ओवर की पांचवीं बॉल ऑफ स्टंप के बाहर स्लोअर फेंकी। रायन रिकेलटन बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन पॉइंट पोजिशन पर ट्रैविस हेड के हाथों कैच हो गए। रिकेलटन ने 31 रन बनाए। रायन रिकेलटन 7वें ओवर में नो बॉल पर कैच हो गए। ओवर की पांचवीं बॉल जीशान अंसारी ने शॉर्ट पिच फेंकी। रिकेलटन कवर्स पोजिशन पर कैच हो गए। वे पवेलियन लौटने लगे थे, तभी थर्ड अंपायर ने नो बॉल का सिग्नल दे दिया। दरअसल, विकेटकीपर हेनरिक क्लासन के ग्लव्स गेंद डिलिवर होने के दौरान स्टंप्स से आगे थे। इसलिए गेंद को नो बॉल करार दिया गया। रिकेलटन इस वक्त 21 रन पर बैटिंग कर रहे थे।

आन्या-ऐश्वी ने फाइनल में बनाई जगह

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आन्या राठी और ऐश्वी जैन ने जोरदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए डेली कॉलेज ओपन अखिल भारतीय टेनिस टूर्नामेंट के बालिका वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। आन्या बालिका युगल के भी फाइनल में पहुंची। बालक वर्ग का फाइनल महाराष्ट्र के अरिंजय बंग और कबीर बोरसे के बीच खेला जाएगा। अरिंजय बालक युगल फाइनल में भी दोहरे खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे।

स्पर्धा संयोजक और भारतीय जूनियर डेविस कप टीम के कोच साजिद लोदी ने बताया कि अंडर-12 आयु वर्ग में आयोजित हो रहे टूर्नामेंट में देशभर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। गुरुवार को बालिका एकल वर्ग के सेमीफाइनल में इंदौर की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आन्या राठी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए फाइनल में कदम रखा। आन्या का सामना मध्य प्रदेश की ही अनाया माहेश्वरी से था। आन्या के सामने अनाया कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकीं। आन्या ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए यह मुकाबला 6-1, 6-0 से अपने नाम किया। पूरे मैच के दौरान उन्होंने सिर्फ एक गेम ही गंवाया।दिन के दूसरे सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश की ऐश्वी जैन की टक्कर मध्य प्रदेश की ही देविना धूपर से हुई। पहले सेट में ऐश्वी जैन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए देविना को कोई अंक नहीं बनाने दिया और देविना ने वापसी का प्रयास किया। इस सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। लग रहा था कि देविना वापसी करते हुए दूसरा सेट अपने नाम कर लेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐश्वी ने निर्णायक अवसरों पर महत्वपूर्ण अंक जुटाते हुए यह सेट 6-4 से जीता और मैच भी अपने नाम कर लिया। बालक एकल सेमीफाइनल में जोरदार टक्कर देखने को मिली। दोनों ही मैचों में कोई भी खिलाड़ी आसानी से हार मानने को तैयार नहीं था। पहले मुकाबले में महाराष्ट्र के अरिंजय बंग की टक्कर महाराष्ट्र के ही दोहद कसाले से हुई। दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने पिछले मैचों में जोरदार प्रदर्शन किया था। इसे देखते हुए जोरदार टक्कर की उम्मीद थी और मैच हुआ भी ऐसा ही। हर अंक के लिए दोनों खिलाड़ियों ने पूरा जोर लगाया और पहला सेट जीतने के लिए अरिंजय को काफी पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया। पहले सेट में पूरी ऊर्जा खर्च करने के बाद दूसरे सेट में दोहद उतने प्रभावी नहीं नजर आए। दूसरा सेट अरिंजय ने 6-2 से जीतते हुए फाइनल का टिकट कटाया। अब उनका सामना महाराष्ट्र के ही कबीर बोरसे से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के ही अगस्त्य तपकिरे को 6-3, 6-3 से पराजित किया। मैच में अगस्त्य ने लगातार अंक बनाते हुए विपक्षी पर शुरुआत से ही दबदबा बनाया और आसानी से अपने

युगल वर्ग में आन्या और देविना की जोड़ी फाइनल में :

बालिका युगल वर्ग में मध्य प्रदेश की आन्या और देविना की जोड़ी ने फाइनल में कदम रखा। इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की भार्गवी और मध्य प्रदेश की ईरा की जोड़ी को 6-0, 6-2 से आसानी के साथ पराजित किया। अब इस जोड़ी का सामना महाराष्ट्र की अकीरा और आन्या की जोड़ी से होगा। इन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश की जोड़ी अनाया और सान्वी को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी। बालक युगल सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश के नैतिक और महाराष्ट्र के अरिंजय की जोड़ी ने जीत दर्ज की। इस जोड़ी का सामना महाराष्ट्र के अगस्त्य और दोहद की जोड़ी से था। नैतिक और अरिंजय ने जोरदार खेल दिखाते हुए मुकाबला 6-4, 6-4 से अपने नाम किया। अब इनका सामना महाराष्ट्र के आदित्य और कबीर की जोड़ी से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश की जोड़ी मितांत और ऋग्वेद को 6-1, 6-3 से पराजित किया।

डकाच्या में बनने वाले कबड्डी स्टेडियम का मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया निरीक्षण

इंदौर। जिले की ग्राम पंचायत डकाच्या में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) म.प्र. शासन द्वारा स्वीकृत सर्वसुविधायुक्त कबड्डी स्टेडियम के निर्माण कार्य का जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने निर्माण स्थल का अवलोकन कर अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण और समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम का निर्माण कार्य आगामी 65 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस प्रस्तावित स्टेडियम की कुल लागत 3 करोड़ 16 लाख रुपये है। स्टेडियम का कुल क्षेत्रफल 1350 वर्ग मीटर (14526 वर्गफुट) रहेगा, जिसका माप 30 बाय 45 मीटर (लगभग 1 बीघा) है।

इंस्टाग्राम पर छाए वाघेला ब्रदर्स

वाघेला ब्रदर्स (क्रू और सच) अपने मैचिंग आउटफिट, चुंबकीय ऊर्जा और फील-गुड कंटेंट के लिए मशहूर, इस जुड़वाँ जोड़ी ने अपनी प्रामाणिकता खोए बिना एक वफ़ादार प्रशंसक आधार और एक विशिष्ट शैली बनाई है।जब उनसे उनके कंटेंट को मज़ेदार और ताज़ा बनाए रखने के रहस्य के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हम लगातार नई चीजें सीखने में विश्वास करते हैं--चाहे वह सोशल मीडिया पर वीडियो देखना हो या रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए किताबें पढ़ना हो। और हम हमेशा उन लोगों को देखते हैं जो पहले से ही सफल हैं। विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म पर बड़े नामों से सीखने के लिए बहुत कुछ है। लेकिन लगातार बदलते कंटेंट स्पेस में लगातार बने रहना आसान नहीं है।

'मेरी भव्य लाइफ' भावनाओं की रोलरकोस्टर राइड

'मेरी भव्य लाइफ', जो न सिर्फ एक प्रेरणादायक सफर है, बल्कि समाज में लंबे समय से मौजूद बॉडी शेमिंग जैसे मुद्दे को चुनौती भी देती है। इस शो का निर्माण सुजाय वाघवा और कोमल वाघवा द्वारा उनके प्रोडक्शन हाउस स्पि यरऑरिजिन्स के बैनर तले किया गया है।'मेरी भव्य लाइफ' की कहानी एक प्लस-साइज़ लड़की भव्य के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चाहती है कि लोग उसकी काबिलियत को उसके शरीर के आकार से अलग देख सकें। इस शो के प्रोमो रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है, क्योंकि यह शो उस मुद्दे पर रोशनी डाल रहा है जिसे अब तक टेलीविजन पर गंभीरता से नहीं दिखाया गया-बॉडी शेमिंग।

शिवांगी वर्मा साउथ की फिल्मों में

अभिनेत्री शिवांगी वर्मा, जो हाल ही में प्रभु देवा के साथ फिल्म 'बैडास रवि कुमार' में एक कैमियो रोल में नजर आई थीं, इन दिनों साउथ की फिल्मों में व्यस्त हैं। उन्होंने वहां तीन फिल्मों के लिए साइन किया है और शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। 'तेरा इश्क मेरा फितूर', 'छोटी सरदारनी', 'रिपोर्टर्स' और 'भूत' जैसे शोज में अपने काम से पहचान बनाने वाली शिवांगी अपनी फिटनेस और फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। साउथ इंडस्ट्री में कदम जमाना उनके करियर के लिए एक शानदार कदम माना जा सकता है।शिवांगी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। फिर चाहे वो फैशन हो, फिटनेस, खाना या ट्रैवलिंग, वह हर चीज में एक ट्रेंडसेटर की तरह नजर आती हैं।

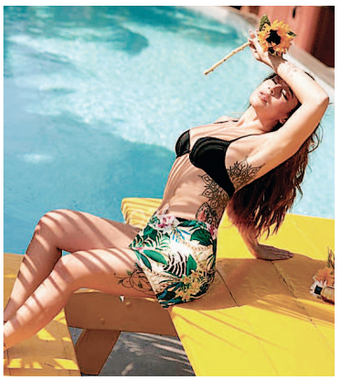

कृष्णा श्रॉफ के पास हैं परफेक्ट फैशन लुक्स!

किसे पता था कि फिटनेस की दुनिया में अपनी मजबूत पहचान बना चुकीं और सफल एंटरप्रेन्योर बन चुकीं कृष्णा श्रॉफ, फैशन की दुनिया में भी इतनी बड़ी नाम हैं? एक बार उनका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखिए और समझ जाएगा कि कृष्णा का स्टाइल सेंस कितना डिटेल-ओरिएंटेड और ट्रेंडी है। उनका वार्डरोब हर उस लड़की के लिए है जो उनके फैशन से प्रेरणा लेना चाहती है। बिकिनी से लेकर ड्रेस तक - हर बेसिक लुक उनके पास है।

परफेक्ट बंच आउटफिट कृष्णा श्रॉफ इस स्ट्रेच फ्लोरल लेस ड्रेस में एक फिगर-हगिंग सिल्हूट मॉडलिंग कर रही हैं, जिसमें एक स्वीपिंग गोडेट स्कर्ट और फ्लूटेड कफ्स हैं, जो इतनी एलिगेंट और फेमिनिन लग रही हैं, जिससे वह एक अप्सरा की तरह दिख रही हैं। पूल के किनारे छुट्टियों में एक दिन ऐसा जरूर आता है जब आप बस पूल के पास लेट कर रिलैक्स करना चाहते हैं। ऐसे में आप कृष्णा श्रॉफ से बिकिनी और स्विमसूट इंस्पिरेशन ले सकते हैं - आखिरकार वो खुद को +बीच बेबी+ मानती हैं। कलरफुल स्विमवेयर वर्जन कृष्णा ने एलारिया ऑस्ट्रेलिया ओशन बीज स्प्रैपलेस वन-पीस स्विमसूट पहना है और उसे ज़ारा की रंगीन पैचवर्क ऱफ़ल स्कर्ट के साथ स्टाइल किया है। वास्तव में, वॉटर बेबी ने अपनी कई बिकनी के साथ स्कर्ट को जोड़ा है, और आप भी ऐसा कर सकते हैं। परफेक्ट डे-आउट-फिट ये लुक कृष्णा श्रॉफ ने अपने पेरेंट्स की अलमारी से चुना है - ढीली-ढाली आरामदायक पैंट्स और एक क्रोशे क्रॉप टॉप के साथ। गर्मियों की छुट्टियों के लिए एकदम परफेक्ट आउटफिट जिसमें कंफर्ट और स्टाइल दोनों हैं। पुकी डे-आउट-फिट अगर आप छुट्टियों के दौरान अपने डे-आउट पर क्यूट दिखना चाहते हैं, तो आप कृष्णा श्रॉफ के क्रीम रंग के क्रॉप जम्पर से प्रेरणा ले सकते हैं, जिसे उन्होंने ब्लैक कलर की इलास्टिक वेस्ट वाली जैक्वार्ड हाई-वेस्ट मिनी स्कर्ट के साथ पेयर किया है। अगर ये लुक +क्यूट+ नहीं है, तो फिर कुछ नहीं है! परफेक्ट पार्टी आउटफिट कृष्णा श्रॉफ की शॉर्ट ट्यूल ड्रेस जिसमें गोल गर्दन, लंबी आस्तीन, कमर पर ड्रेप्ड डिटेल, एसिमेट्रिक हेम और कंट्रास्ट लाइनिंग है, छुट्टियों के दौरान परफेक्ट पार्टी ड्रेस के तौर पर काम आती है।

प्रशांत बजाज नजर आएंगे 'कोल किंग' में

फिल्म 'जाट' से दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुके अभिनेता प्रशांत बजाज अब एक और दमदार प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं। वे जल्द ही फिल्म 'कोल किंग' में दिखाई देंगे, जिसमें मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल और रश्मिका मंदाना होंगे। इस फिल्म का निर्देशन करेंगे अनिल शर्मा, जो 'गदर' और 'गदर 2' जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।'कोल किंग' एक हाई-ऑक्टेन ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें जबरदस्त इमोशनल लेयर और दमदार परफॉर्मेंसेज देखने को मिलेंगे।

मधुरिमा का बोल्ड फोटोशूट

मधुरिमा तुली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ग्रीन प्रिंटेड, डीप, वी-नेक मैक्सी आउटफिट में सजी-धजी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। उनके कैप्शन में लिखा है हर चीज में खूबसूरती होती है और इसे देखकर हम बस इतना ही कह सकते हैं कि खूबसूरती देखने वाले की आंखों में होती है। समय-समय पर मधुरिमा ने अपने खुद के क्रिएटिव फ्लेयर और फ्यूजन का इस्तेमाल करके अपने ए गेम और लुक को अपने एलिमेंट में पेश किया है और एक बार फिर हम उनके स्टाइल को देखकर शांत नहीं रह सकते। वह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आकर्षकता के कारण अपने लुक को निखारने के लिए किसी मेकअप की जरूरत नहीं समझती।

कम फॉल इन लव - द डीडीएलजे म्यूजिकल का टाइटल ट्रैक रिलीज

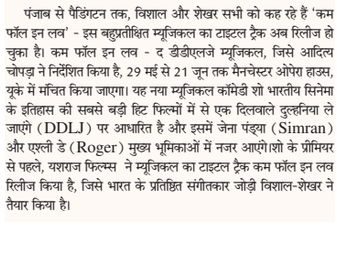

पंजाब से पैडिंगटन तक, विशाल और शेखर सभी को कह रहे हैं 'कम फॉल इन लव' - इस बहुप्रतीक्षित म्यूजिकल का टाइटल ट्रैक अब रिलीज हो चुका है। कम फॉल इन लव - द डीडीएलजे म्यूजिकल, जिसे आदित्य चोपड़ा ने निर्देशित किया है, 29 मई से 21 जून तक मैनचेस्टर ओपेरा हाउस, यूके में मंचित किया जाएगा। यह नया म्यूजिकल कॉमेडी शो भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (DDLJ) पर आधारित है और इसमें जेना पंड्या (Simran) और एली डे (Roger) मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।शो के प्रीमियर से पहले, यशराज फिल्म्स ने म्यूजिकल का टाइटल ट्रैक कम फॉल इन लव रिलीज किया है, जिसे भारत के प्रतिष्ठित संगीतकार जोड़ी विशाल-शेखर ने तैयार किया है।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
मिलन हाइट्स इंदौर

राम दरबारी

दाता बना भिखारी ये कैसी लाचारी

ख्याति प्राप्त कथावाचक की कथा सुन रहा था जिसका टीवी पर सीधा प्रसारण भी हो रहा था। व्यास पीठ से कथा शुरू होने के पहले दान दाताओं के नाम दान की राशि के साथ पुकारे जा रहे थे। सबसे अधिक राशि देने वाले को विशेष आशीष की बौछार की जा रही थी। अगला जन्म सम्हालने के लिए दान देने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा था। दान करोगे पुण्य मिलेगा जो मांगोगे वो मिलेगा। दाता हाथ जोड़े मनोकामना की भीख मांग रहे थे। पंडित जी उपाय बता रहे थे।

यह सब मुझे क्यों सुना रहे हो? तुमने कितनी भेंट चढ़ाई? बदले में क्या मांगा मंगू?

जिससे मांगने गया वह खुद ही मांग रहा है दान के नाम से। ऊपर से दानदाता को कह रहा है एक रुपया दोगे सौ गुना मिलेगा। पहले दो फिर मांगो यानी दाता को ही भिखारी बना दिया। मतलब जेब खाली करो फिर भिखारी बनो।

इस प्रकार अधिकारी अपने कर्मचारियों को उनके हक़ का अवकाश, वेतन एरियर, डीए एरियर आदि का आदेश निकाल कर उन पर ऐसा एहसान जताता है जिसे वह अपनी जेब से भीख के रूप में दे रहा है। उसके लिए भी सेवा शुल्क लेता है। फिर बताओ भिखारी कौन?

ऐसे तो आप गुरु दक्षिणा लेने वाले को भिखारी बना दोगे मास्टर जी।

मंगू! थोड़ा अपने भेजे को दूध घी खाकर समझदार बना लो। देने लेने की भावना क्या है वह महत्वपूर्ण है।÷

अब तुम्हारे दाता और भिखारी के सरकारीकरण की बात सुनो।

सरकार जब डीए वृद्धि का आदेश जारी करती है तो उसमें लिखती है। प्लीज्ड टू इनहेंस यानी शासन खुश होकर वृद्धि करता है ऐसे ही आदेश किसी योजना को लागू करने में भी।जैसे भीख दे रही हो जबकि शासन चलता ही है जनता व कर्मचारियों के टैक्स से। यहां दाता जनता को भिखारी और खुद को दाता बना दिया। चुनाव के समय राजनेता वोट की भीख मांगते हुए चरण वंदन तक करते हैं। मतलब निकलने पर, जनता की कृपा से वोट की भीख पाकर शासक बने जनता को ही भिखारी,समझ अनुदान की घोषणा कर स्वयं को दाता सिद्ध करने में जरा भी लज्जा नहीं आती। हाल ही में एक प्रदेश के मंत्री जो हाईकमान के लाड़ले भी हैं, अपने ही क्षेत्र में वहां के वोटर्स द्वारा सजाए मंच पर सरे आम उन्हें भिखारी कह कर अपमानित करने में गर्व महसूस करते हैं और कर रहे हैं और यह वाक़या एक बार नहीं, दो दो बार हो गया। मूंछ पर ताव देते हुए बेशर्मी से कहते हैं कि ज्ञापन देने का मतलब भीख मांगना है। अतः भिखारी मत बनो। मज़े की बात यह है कि पार्टी से लेकर हाईकमान तक मौन स्वीकृति है जो सिद्ध करती है शाबास तूने जनता को खूब पहचान कर भिखारी के तमगे से सुशोभित किया।

मास्टर जी! क्षमा करें ऐसा नहीं। कहने का अर्थ ही विरोधियों ने अलग लगा लिया।

मंगू जैसे छुटभैये से लेकर हाईकमान तक ऐसा ही कह कर हमेशा जनता को ही जलील करते रहते हैं और हमारी भोली जनता रेवड़ियों के चक्कर में जो उनके टैक्स से ही बांटी जाती हैं खुश होकर वोट की भीख देकर खुद भिखारी के नाम से गाली खाते रहते हैं। कब इन्हें सद्बुद्धि आएगी जब? दाता की पहचान दाता के रूप में होगी।

करोड़ों खर्च के बाद भी बूंद-बूंद को तरस रही जनता

नल जल योजना कागजों में चालू, जमीन पर फेल, सिंघार बोले

इंदौर। गर्मी का सीजन शुरू होते ही जल का संकट शुरू हो जाता है। प्रदेश की कई क्षेत्रों से पानी की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। ऐसे ही एक मामले पर मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार की नल जल योजना पर सवाल खड़े किए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि मप्र के गांवों में जल संकट ने विकराल रूप ले लिया है।

गोहद-मेहगांव क्षेत्र के 75 गांव नल-जल योजना के बावजूद आज भी पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महिलाएं, बच्चे कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। कई गांवों में खारा पानी ही एकमात्र विकल्प बचा है। हालात इतने बदतर हैं कि लोगों को गांव छोड़ने की नौबत आ गई है।सरकारी रिकॉर्ड में योजनाएं चालू दिख रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है।

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि पीएचई विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते करोड़ों की योजनाएं धूल चाट रही हैं।ये केवल जल संकट नहीं, ये सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार की गवाही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा किअब सवाल यह है कि सरकार बताए, नल जल योजना का पैसा खय गया? जनता को उसका हक साफ पानी कब मिलगा?

कारम बांध या घोटालों का बांध

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि आदिवासी बाहुल्य धार जिले में भाजपा शासन का काला सच! कारम मुख्य बांध जिसको बनाने में करोड़ों की लागत लगी 2022 में दीवार फूटी और आज 2025 में भी बांध का निर्माण अधूरा हैं। घटिया निर्माण के चलते बांध से पानी का लीकेज हुआ, लाखों जिंदगियां खतरे में आ गई थी लेकिन स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी को ठेका देने के मेरे सवाल पर सरकार आज भी मौन साधे बैठी है। प्रशासनिक नाकामी और ठेकेदारों की मिलीभगत ने मध्यप्रदेश को शर्मसार कर दिया है। 300 करोड़ से ज़्यादा की स्वीकृति से 52 गांवों को सिंचाई का सपना दिखाया, गया लेकिन हकीकत, टूटी दीवारें, बहता पैसा, सूखी ज़मीन और डूबते गांव। विस्थापितों को मुआवजा कब मिलेगा सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं? ये है भाजपा सरकार का सच, जहां मंत्री मौन हैं, अधिकारी गायब हैं, और जनता परेशान हैं। .

दुग्ध संघ के सभी महत्वपूर्ण पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति

इंदौर। रविवार को नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मध्य प्रदेश दुग्ध संघ का करार हुआ। अगले ही दिन नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड ने महत्वपूर्ण पदों पर फेरबदल करते हुए प्रबंध निदेशक एवं कार्यपालन अधिकारियों की नई नियुक्ति कर दी है।

करार के एक दिन बाद ही भारी फेरबदल, डॉ.संजय गोवानी दुग्ध संघ के नए एमडी

नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड ने गुजरात के डॉक्टर संजय गोवानी को एमपीसीडीएफ का नया एमडी नियुक्त किया है। मंगलवार को उन्होंने अपना पद भार संभाल लिया है। इसके अलावा 6 सरकारी दुग्ध संघ के नए सीईओ नियुक्त किए गए हैं।

भोपाल दुग्ध संघ के लिए प्रीतेश जोशी, इंदौर दुग्ध संघ के लिए बृजेश शर्मा, उज्जैन दुग्ध संघ के लिए धनराज खत्री, जबलपुर दुग्ध संघ के लिए राहुल त्रिपाठी, सागर दुग्ध संघ के लिए संजय कुमार यादव तथा ग्वालियर दुग्ध संघ के लिए मोहम्मद राशिद की नियुक्ति की गई है।

उल्लेखनीय है मध्य प्रदेश दुग्ध संघ का विलय, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड में हो गया है। मध्य प्रदेश दुग्ध संघ का सारा कार्यभार नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड से संचालित होगा।

डॉ. मोहन सरकार कस रही है भू-माफिया पर शिकंजा... राजनीतिक चेहरे भी होंगे उजागर.....

इंदौर। मप्र में भू-माफिया से जुड़े यूं तो बहुत मामले सामने आते रहते हैं। लेकिन इन दिनों मप्र में सबसे ज्यादा चर्चा माफी औकाफ मंदिरों की जमीन की है। प्रदेशभर में सरकार खनन माफिया, शिक्षा माफिया, मेडिकल माफिया, शराब माफिया के साथ ही भू-माफिया पर अब सख्त एक्शन शुरू हो गया है। जिला प्रशासन ने इसको लेकर फुल-प्रूफ प्लान भी बना लिया है। भू-माफिया के खिलाफ ग्वालियर-चंबल अंचल में बड़ी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। क्योंकि यहां मंदिरों की अधिकांश जमीन पर भूमाफिया का कब्जा हो गया है।

मंदिर और वक्फ की जमीनों से हटेगा कब्जा

4 अगस्त 1931 को तत्कालीन ग्वालियर स्टेट के द्वारा पब्लिक मंदिरों का निरीक्षण किया गया था। इसमें 78 मंदिर सूचीबद्ध किए गए थे। वहीं आजादी के बाद जिले में इनकी संख्या बढक़र 865 मंदिर हो गई थी। जिसे लगभग 4290 हेक्टेयर भूमि भी दी गई थी। हैरानी की बात यह है कि माफियाओं की सांठगांठ के खेल से राजस्व विभाग के पटवारियों और अफसरों ने मंदिरों के खसरों में बदलाव कर डाले। यही वजह है कि ऐसे मंदिरों के नाम वाली जमीन बाद में अब निजी दर्ज हो चुकी है।

इस बड़े मुद्दे को उजागर करने वाली आरटीआई एक्टिविस्ट एड संकेत साहू का आरोप है कि, आज माफी औकाफ मंदिरों की जमीन कब्जे में आ चुकी है या फिर खुर्द बुर्द कर दी गई है। आज इन भूमाफियाओं ने प्रशासन की नाक के नीचे कॉलोनियां उन्हीं जमीन पर बसा ली है।

16 जून 2023 को संभागीय कमिश्नर को संकेत ने शिकायत की थी। जिस पर अब संज्ञान लिया गया है और मंदिर देवस्थान पर कब्जा कर किए जा रहे निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई है।

हालांकि संकेत साहू ने एक बड़ा गंभीर आरोप यह भी लगाया है कि सरकारी वकील कोर्ट में शासन का पक्ष सही तरीके से नहीं रख रहे हैं या फिर वह माफिया से मिल गए हैं। जिसके चलते शासन लगातार ऐसे केसों में हार का सामना कर रहा है।

भू-माफिया और राजनीति

मुद्दा क्योंकि भू-माफिया और उसके किए अतिक्रमण कब्जे से जुड़ा है, ऐसे में भला राजनीति कैसे पीछे रह सकती है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता डॉ.राम पांडे का आरोप है कि केप्रदेश में लंबे समय से सत्ता में काबिज भाजपा की सरकार के इशारे पर ही यह सब होता आ रहा है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि आज माफी औकाफ और मंदिरों की ज्यादातर जमीनों पर भाजपा के ननेताओं या फिर उनके कार्यकर्ताओ के कब्जे है। यही वजह है कि प्रशासन सिर्फ खोखले दावे करता है, कार्रवाई नहीं होती है। कांग्रेस के इन गंभीर आरोपों पर भाजपा सांसद भारत सिंह कुशवाह का बयान भी सामने आया है।

उनका कहना है कि मप्र की मोहन सरकार भूमाफियाओ को खदेड़ रही है। मंदिरों के हित में काम करवा रही है। उनके संरक्षण के साथ सम्वर्धन का काम भी करवा रही है। हकीकत तो यह है कि कांग्रेस के लोग ही अतिक्रमणकारी है। जिसका उदाहरण मप्र वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सनवर पटेल के बयान से समझा जा सकता है। सनवर पटेल का आरोप है की प्रदेश भर में वक्फ की बड़ी सम्पत्ति पर कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारीयो का कब्जा है। मोहन सरकार के एक्शन से कॉंग्रेस डरी हुई है।

मतदाता सूची की गड़बड़ियां दूर करने कांग्रेस चलाएगी अभियान

पंचायत और वार्ड स्तर पर बनेंगी समितियां, जून-जुलाई में शुरू होगा घर-घर सर्वे का काम

इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची पर सवाल उठाने के बाद मध्य प्रदेश में मतदाता सूची को लेकर पार्टी सतर्क हो गई है। प्रदेश कांग्रेस ने तय किया है कि मतदाता सूची का फर्जीवाड़ा रोकने के लिए अब विधानसभावार रजिस्टर तैयार किया जाएगा।

यह हर तीन माह में अपडेट होगा। इस अवधि में यदि किसी मतदाता का निधन होता है या फिर वह कहीं और रहने के लिए चला जाता है तो उसकी जानकारी निर्वाचन अधिकारियों को देकर नाम मतदाता सूची से हटवाया जाएगा। इसी तरह नाम जुड़वाने के भी प्रयास होंगे। यह काम जून-जुलाई से प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रदेश स्तर पर प्रत्येक त्रैमास में इसकी समीक्षा भी होगी।

सालभर होगा काम

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी को लेकर प्रदेश कांग्रेस और प्रत्याशियों की ओर से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में शिकायतें भी की गईं। कुछ शिकायतें आधारहीन निकलीं तो कुछ में कार्रवाई भी हुई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के समय भी कांग्रेस ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का विषय उठाया था। अब पार्टी ने तय किया है कि चुनाव के समय शिकायत करने से कुछ प्राप्त नहीं होता है इसलिए वर्षभर सूची के पुनरीक्षण का काम किया जाएगा। पार्टी अपने स्तर पर सर्वे करेगी और अपात्र के नाम सूची में पाए जाने पर उसे हटवाने के प्रयास होंगे।

विधानसभा क्षेत्र स्तर पर मतदाता सूची रजिस्टर तैयार होगा। इसमें मतदाताओं का पूरा ब्योरा रहेगा। यदि गांव या मोहल्ले में किसी मतदाता का निधन हो जाता है या फिर कहीं और रहने चला जाता है तो उसका नाम सूची से हटवाने के लिए आवेदन किया जाएगा।

इसी तरह पात्र मतदाता का नाम जुड़वाने की पहल होगी। प्रत्येक त्रैमास में इसकी राज्य स्तर पर समीक्षा की जाएगी और एक रिपोर्ट बनाकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी और चुनाव आयोग को भेजी जाएगी। यदि बताए गए अपात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं हटाया जाता है तो पार्टी न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएगी।

नियुक्त होंगे बूथ लेवल एजेंट

चुनाव आयोग मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को करने से पहले मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता है कि वे मतदान केंद्र स्तर पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें, जो मतदाता सत्यापन में सहयोगी की भूमिका निभाएं। प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिला और ब्लाक अध्यक्षों से कहा है कि वे इसकी तैयारी कर लें। इनकी नियुक्ति करके आयोग को भी विधानसभावार सूची भेजी जाएगी।

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा ? ये सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न

जिसका जबाव तलाशने में जुटे भाजपा के दिग्गज

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़े दल भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राजनीतिक गलियारों में फिलहाल यह सबसे बड़ा प्रश्न हैं, जिसका जवाब तलाशने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी सहित कई नेता मंथन में जुटे। पीएम मोदी की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात हुई और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा सहित कई अन्य नेताओं से भी उनकी लंबी बैठक चली। इसके बाद से ही चर्चा है कि जल्दी ही संगठन में बदलाव होगा और सरकार में भी नए चेहरों को मौका मिल सकता है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मीटिंग का मुख्य एजेंडा यही था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए किसका नाम आगे बढ़ाया जाए। मीटिंग में कुछ नेताओं के नामों पर मंथन हुआ और चर्चा है कि 20 अप्रैल के बाद कभी भी नए अध्यक्ष का ऐलान हो सकता है। इस बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बंगाल, कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को लेकर भी चर्चा हुई कि इसमें किसे प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए। अब तक भाजपा ने 15 राज्यों में नए अध्यक्ष चुन लिए हैं और करीब 7 राज्यों में बाकी हैं। इनमें भी पार्टी नेतृत्व तय होने के बाद 20 अप्रैल के बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। सूत्रों का कहना है कि इसी सप्ताह के अंत तक यानी 20 अप्रैल तक यूपी, बंगाल जैसे राज्यों के अध्यक्ष घोषित

हो सकते हैं। इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पर फैसला होगा। 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव हैं और अब जो अध्यक्ष होगा, उसी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। यह देखकर सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को साधते हुए ही पार्टी नए लीडर का चुनाव करेगी। बताया जा रहा हैं कि भाजपा किसी पिछड़े लीडर को अध्यक्ष बना सकती है। अब तक अध्यक्ष रहे भूपेंद्र सिंह जाट बिरादरी से आते हैं। अब किसी नए ओबीसी नेता को मौका मिल सकता है। इन नेताओं में पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह का नाम भी चल रहा है। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के नाम पर भी चर्चा की जा सकती है। एक समीकरण यह भी साधा जाएगा कि नए अध्यक्ष की सीएम योगी आदित्यनाथ से भी पटरी खाए। वहीं स्वतंत्र देव पहले भी अध्यक्ष रहे हैं और पार्टी में बेहद प्रभावशाली हैं। इसके बाद उन्हें भी मौका मिल जाए, तब हैरानी नहीं होगी। लेकिन जिस तरह से भाजपा फैसले लेती रही है, उसमें पूरी संभावना है कि किसी नए नेता को ही मौका मिलेगा। ब्राह्मणों की उपेक्षा के आरोप भी लगते रहे हैं। इसतरह उस समीकरण को साधने के लिए ब्राह्मण चेहरे पर भी दांव लग सकता है। इसमें पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और दिनेश शर्मा के नाम भी आगे चल रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेक्स एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com